वैशाख कृष्ण पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 271 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
07 अप्रैल 2026
मंगलवार

आज का मौसम
34.0 अधिकतम
20.8 न्यूनतम

# दोपहर मेट्रो
बेबाक खबर हर दोपहर

Page-7

राजस्थान-मुंबई, समय : दोप. 7.30 बजे

## न्यूज विंडो

### सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पद से दिया इस्तीफा

**नई दिल्ली।** एअर इंडिया के मौजूदा सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, कंपनी ने उनसे कहा है कि वे नए सीईओ की नियुक्ति तक अपने पद पर बने रहें, ताकि नेतृत्व में बदलाव आसानी से हो सके। बताया गया कि उनका कार्यकाल अगले साल सितंबर तक था, लेकिन उन्होंने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे अपना कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाना चाहते। इसी वजह से कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। अब इस प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है और अगले हफ्ते इस पर अहम बैठक होने वाली है।

### नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने लॉन्च की नई पार्टी

**अमृतसर।** कांग्रेस से निकाले जाने के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने नई पार्टी लॉन्च कर दी है। उन्होंने इसका नाम भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी रखा है। खास बात है कि यह घोषणा पंजाब विधानसभा चुनाव से एक साल पहले की है। उन्होंने कहा कि पार्टी पंजाब को खोए हुए गौरव को दोबारा हासिल करने के लिए काम करेंगी। वह पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं। नवजोत कौर ने लिखा, 'एक घोषणा जिसका बेसबरी से इंतजार है: हमने राजनीतिक नेताओं के प्रदर्शन को देखने और परखने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर नया विकल्प तैयार करने पर काम किया है।

### बांग्लादेश के विदेश मंत्री का आज से 3 दिनी भारत दौरा

**नई दिल्ली/ढाका।** बांग्लादेश में अब नई सरकार का गठन हो चुका है। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी चीफ और प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सत्ता संभालने के बाद से उसके भारत से रिश्ते सुधर रहे हैं। इसी सिलसिले में आज बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान तीन दिनों के ऑफिशियल दौरे पर नई दिल्ली आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक उनका फोकस भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी रिश्तों को फिर से मजबूत करना है। दौरे के दौरान, रहमान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत करेंगे।

### वियतनाम के राष्ट्रपति बने कम्युनिस्ट पार्टी के टो लाम

**हनोई।** टो लाम ने आज वियतनाम के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वियतनाम के सांसदों ने सर्वसम्मति से कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लाम को देश का राष्ट्रपति चुना। टो लाम के राष्ट्रपति बनने के साथ ही वियतनाम की दशकों पुरानी 'सामूहिक नेतृत्व' की परंपरा का अंत हो गया है, क्योंकि अब देश की सत्ता के दोनों शीर्ष पद- पार्टी प्रमुख और राष्ट्रपति एक ही व्यक्ति के पास आ गए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता का यह केंद्रीकरण वियतनाम को चीन जैसी राजनीतिक संरचना की ओर ले जा रहा है। जहां एक ओर इससे देश में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होने और आर्थिक सुधारों को गति मिलने की उम्मीद है, वहीं, दूसरी ओर विश्लेषकों का मानना है कि इससे यह एक-दलीय शासन वाला देश हो सकता है।

### आज का कार्टून

**ईरान का पलटवार... 20 घंटे में सरेंडर करे अमेरिका, वरना उसके सहयोगी देश भुगतेंगे नतीजा**

# आम नागरिक बनेंगे पॉवर प्लांट्स की ढाल चारों ओर मानव श्रंखला बनाने की अपील

## आज रात खत्म हो रही है ट्रम्प द्वारा दी गई होर्मुज खोलने की समय सीमा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

ईरान युद्ध में हर दिन हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। ट्रम्प द्वारा होर्मुज खोलने के लिए दी गई समय सीमा आज रात खत्म हो रही है। इसके बाद ट्रम्प ने ईरान के पॉवर प्लांट्स पर हमले की धमकी दी है लेकिन इसका ईरान पर कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। उलटे ईरानी संसद के अध्यक्ष बगेर गालिबफ के कहा है कि यह जंग ईरान ने जीत ली है और अमेरिका 20 घंटे कि अंदर सरेंडर करे वरना उसके सहयोगी देश नतीजा भुगतने के लिए तैयार रहे। इसके साथ ही अमेरिका और इजराइल के हमलों से अपने ऊर्जा प्लांट को बचाने के लिए ईरान ने नई तरकीब निकाली है। उसने देश के युवाओं से अपील की है की वे देश के अहम ऊर्जा ठिकानों के आसपास एकत्र हो जाएं ताकि एकजुटता और संकल्प का प्रदर्शन किया जा सके। यह एक तरह से आम लोगों को ऊर्जा सयंत्रों के सामने ढाल बनाने की कोशिश है।

ईरान के खेल और युवा मंत्रालय के उपमंत्री अली रेजा रहीमी ने बताया कि यह पहल खुद युवाओं के सुझाव पर शुरू की गई है। उनके अनुसार, विश्वविद्यालयों के छात्र, कलाकार और युवा संगठनों ने प्रस्ताव रखा कि देश के पावर प्लांट्स के चारों ओर 'मानव श्रृंखला' बनाई जाए, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि देश की महत्वपूर्ण संरचनाओं की सुरक्षा के लिए युवा प्रतिबद्ध हैं। उधर, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा है कि शीर्ष सैन्य कमांडरों की हत्या से देश की सेना और लड़ाकों का मनोबल नहीं टूटेगा। यह बयान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खदेमी की सोमवार को हुई हत्या के बाद आया है। उन्होंने अपने लिखित बयान में कहा कि ईरान के लड़ाके और सेना एकजुट हैं, जिन्हें आतंकवाद या अपराध जैसी घटनाएं कमजोर नहीं कर सकतीं।

उल्लेखनीय है कि ईरान कि पॉवर प्लांट्स पर हमले कि लिए दी गई ट्रम्प की मोहलत आज रात ख़त्म हो रही है। उन्होंने नया नया अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को तय समय तक नहीं खोला गया, तो ईरान के बिजली घरों और अहम ढांचे पर हमले किए जा सकते हैं। इसके जवाब में ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक उसे युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा नहीं मिलता, तब तक होर्मुज नहीं खोला जाएगा।

### सऊदी अरब-बहरीन को जोड़ने वाला ब्रिज बंद

सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाले एक अहम पुल किंग फहद कॉजवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यह फैसला ईरान की संभावित हवाई हमले की धमकियों के बाद लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरे को देखते हुए पुल पर आवाजाही रोक दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने हाल ही में इस पुल को जवाबी हमलों के संभावित निशाने के रूप में देखा है, खासकर तब जब अमेरिका की अगुवाई में ईरान के एक पुल पर हमला किया गया था। यह पुल बहरीन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसका सऊदी अरब से एकमात्र सड़क संपर्क है। इसका बंद होना क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं को दिखाता है।

### अचेत और गंभीर हैं मोजतबा खामनेई !

ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स ने एक महत्वपूर्ण खुलासा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई अचेत हैं और गंभीर हालत में उनका इलाज कराया जा रहा है। पहले भी ये खबरें आई थीं कि वे उसी अमेरिका-इजरायल एयर स्ट्राइक में घायल हुए थे, जिसमें उनके पिता और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई थी। एक डिप्लोमैटिक मेमो में ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के बरे में ये जानकारी दी गई है। द टाइम्स की खबर के मुताबिक मोजतबा का गंभीर हालत में इलाज कराया जा रहा है। उनका इलाज ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 140 किलोमीटर दक्षिण में स्थित कोम शहर में चल रहा है।

## कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पुलिस का छापा

गुवाहाटी/नई दिल्ली, एजेंसी

असम पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पर छापा मारा है। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के ऊपर काफी गंभीर आरोप लगाए थे। खेड़ा के आरोपों के बाद सरमा की पत्नी की तरफ से मामला दर्ज कराया गया था। असम पुलिस ने अब इस मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए पवन खेड़ा के घर पर छापेमारी की है। यह छापेमारी ऐसे वक्त पर सामने आई है जब राज्य में आज शाम को चुनाव प्रचार खत्म हो रहा है और 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पवन खेड़ा ने दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कहा था कि चुनावों के बाद बंटी और बबली (हिमंता और उनकी पत्नी) क्या फरार होने वाले हैं? खेड़ा ने सरमा की पत्नी रिंकी मुइयां सरमा के पास दो मुस्लिम देशों के साथ कुल तीन देशों के पासपोर्स होने का आरोप लगाया था। खेड़ा ने विदेशों में सरमा और उनकी पत्नी की संपत्ति होने के आरोप भी लगाए थे।

**सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट में बोली केंद्र सरकार**

## लिंग भेद नहीं, धार्मिक परंपराओं का मामला

नईदिल्ली, एजेंसी

केरलम में मौजूद सबरीमाला मंदिर को लेकर केंद्र सरकार ने आज सुप्रीम कोर्ट को अपनी बात रखी। केंद्र सरकार ने कहा कि पूजा की जगह में कौन जा सकता है, यह 'लिंग भेदभाव का मामला नहीं है,' बल्कि यह धार्मिक रीति-रिवाजों, मान्यताओं और देवता के खास स्वरूप पर आधारित है। इसके साथ ही सुनवाई से पहले दायर अपने लिखित जवाब में सरकार ने कहा कि सबरीमाला में महिलाओं (10-50 वर्ष की उम्र के बीच) पर लगा प्रतिबंध भगवान अयप्पा के 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' स्वरूप के कारण है, न कि किसी अपवित्रता या हीनता की भावना के कारण।

**पूजा का मूल स्वरूप बदलने का खतरा:** केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा, 'महिलाओं को प्रवेश की अनुमति देने से यहां की पूजा-पद्धति का मूल स्वरूप ही बदल जाएगा, जिससे संविधान द्वारा संरक्षित धार्मिक बहुलवाद कमजोर होगा। श्रद्धालु, यानी पुरुष और महिलाएं दोनों सदियों से सबरीमाला में मंदिर की स्थापित परंपराओं के अनुसार ही भगवान अयप्पा की पूजा करते आ रहे हैं। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि वह केरलम के सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म की उम्र वाली महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को बरकरार रखे।

## पुरी के जगन्नाथ मंदिर में खून का धब्बा, दर्शन रोककर प्रभु का महास्नान

भुवनेश्वर, एजेंसी

एक असामान्य घटना के बाद आज महाप्रभु का बड़ा महास्नान कराया गया, जिसके चलते कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक लगा दी गई। मंदिर प्रशासन और सेवादारों के संयुक्त निर्णय के बाद यह विशेष धार्मिक प्रक्रिया पूरी की गई।

जानकारी के अनुसार, सुबह मंगल आरती के बाद बड़े देउल में नियमित रूप से महाप्रभु के दर्शन जारी थे। इसी दौरान मंदिर के भीतर काठ के समीप खून के निशान देखे गए। इस घटना से वहां मौजूद सेवादारों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना मंदिर प्रशासन को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सेवादारों के साथ बैठक कर धार्मिक परंपराओं के अनुसार बड़ा महास्नान कराने का निर्णय लिया। इसके बाद विधि-विधान से महाप्रभु का महास्नान संपन्न कराया गया। इस प्रक्रिया के दौरान आम श्रद्धालुओं के प्रवेश और दर्शन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई, जिससे मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और अनुष्ठान शांतिपूर्वक पूरा हो सके। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महा स्नान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुनः सामान्य रूप से दर्शन शुरू कर दिए गए।

## अमरावती को आंध्र की राजधानी घोषित किया

अमरावती, एजेंसी

अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी घोषित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी इसकी जानकारी दी है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिसूचना को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, 'आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है।' बता दें कि पिछले दिनों संसद के बजट सत्र के दौरान आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम संशोधन विधेयक 2026 को दोनों सदनों में बहुमत से पारित किया गया था। चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा था, 'आंध्र प्रदेश के लोगों की ओर से मैं राष्ट्रपति का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

**धार में बेखौफ अपराधियों का 'खूनी खेल'**

## आधी रात को मिर्ची व्यापारी की हत्या कर लाखों का डाका

धार, दोपहर मेट्रो

धार जिले में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने एक बार फिर पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजोद थाना क्षेत्र के गोंदी खेड़ा चारण गांव में हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 1 से 2 बजे के बीच 8 से 10 अज्ञात बदमाश मिर्ची व्यापारी देवकृष्ण पुत्र लक्ष्मण पुरोहित के घर में घुस आए। उस समय देवकृष्ण अपनी पत्नी के साथ कमरे में सो रहे थे। बदमाश सीधे उसी कमरे में पहुंचे और दंपति को बंधक बना लिया। बदमाशों ने पहले दंपति के साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद पत्नी को जबरन दूसरे कमरे में बंद कर दिया गया और घर में रखे आभूषण व नकदी की जानकारी मांगी गई। पत्नी ने भय के माहौल में बदमाशों से कहा कि वे जो भी सामान है, ले जाएं, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों की क्रूरता कम नहीं हुई। आरोपियों ने देवकृष्ण पुरोहित को दूसरे कमरे में ले जाकर उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और लगातार मारपीट करते रहे। गंभीर चोटों के कारण उनकी हालत बिगड़ती गई। घर के अन्य सदस्य चीख-पुकार सुनकर जाग गए, लेकिन हथियारबंद बदमाशों के सामने वे कुछ नहीं कर सके।

### लाखों के आभूषण और नकदी लेकर फरार

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में रखे लाखों रुपए के आभूषण और नकदी लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

**मेट्रो एंकर** | **800 मेगावाट की नई इकाई से कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की संभावना**

# सामाजिक सरोकारों के साथ आगे बढ़ता सीपत ताप बिजलीघर

बिलासपुर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन का सीपत ताप बिजलीघर एनटीपीसी के कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के बीच तीसरे पायदान की तरफ बढ़ रहा है। स्वयं के सयंत्रों और संयुक्त भागीदारी के तहत 112 स्थानों पर करीब 90 हजार मेगावाट बिजली बनाने वाले एनटीपीसी के ताप बिजली घरों में सीपत संयंत्र 2980 मेगावाट क्षमता के साथ अभी भारत का चौथा सबसे बड़ा प्लांट है।

सुरोजित सिन्हा

**नई ऊंचाई छूता धान का कटोरा-अंतिम**

अगले तीन साल में 800 मेगोवाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल संयत्र के चालू होने के साथ ही इसकी क्षमता 3780 मेगावाट हो जाएगी। एनटीपीसी ने मुख्यतः कोयला आधारित तापघर से शुरुआत की थी, लेकिन अब वह पनबिजली के साथ सोलर एनर्जी के क्षेत्र में भी अपना विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही सामजिक सरोकारों के तहत शिक्षा और रोजगार के लिए हर संभव प्रयास हो रहे हैं। एनटीपीसी सीपत के मुख्य महाप्रबंधक सुरोजित सिन्हा ने छतीसगढ़ के गठन बाद शुरू हुई इस परियोजना का सफरनामा 'दोपहर मेट्रो' के साथ बातचीत में साझा किया। उनके साथ महाप्रबंधक अशोक सरकार, विकास खरे, तथा अपर महाप्रबंधक अनुराग गौतम ने भी इस संयंत्र के विकास और विस्तार की कहानी बताई। सिन्हा ने बताया कि 28 जनवरी 2002 को पूर्व प्रधान मंत्री स्व अटलबिहारी वाजपेयी ने इसकी आधारशिला रखी थी। 19 सितंबर 2014 को पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने इसे देश को समर्पित किया। सीपत संयंत्र में 660 मेगावाट क्षमता के तीन सुपर पॉवर प्लांट हैं जबकि 500 मेगावाट की दो इकाइयां हैं। यहां देश के पहले 800 मेगावाट

क्षमता के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की आधारशिला 30 मार्च 2025 को मौजूदा पीएम नरेंद्र मोदी जी ने रखी थी। चार साल के भीतर यह इकाई शुरू हो जाएगी जिसके बाद सीपत एनटीपीसी के संयंत्रों में तीसरी पायदान पा आ जाएगा। इस प्लांट के लिए कोयला 42 किमी दूर स्थित साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड की दिपिका खदानों से लाया जाता है। ताप विद्युत गृह से निकलने वाली राख के पानी से आसपास के गांव के खेतों की जमीन को बचाने के पुख्ता उपाय किए गए हैं। सिन्हा का दावा है कि उनका प्रबंधन तंत्र प्रदूषित पानी की एक बूँद भी तालाब से बाहर नहीं जाने देता। इससे संयंत्र परिसर और उसके आसपास की जमीन पर लगाए गए 13 लाख पौधों की सिंचाई होती है। बिजलीघर से निकालकर तालाब में जमा होने वाली राखड़ यानी फ्लाई ऐश का इस्तेमाल मिट्टी की ईंटों के विकल्प के रूप में किया जाता है। ऐसी ईंट बनाने वालों को मुफ्त में यह राखड़ दे रहे हैं। इसके अलावा इस फ्लाई ऐश का उपयोग कम लागत के इको फ्रेंडली मकान, कंक्रीट रोड तथा गमले तैयार करने में भी होता है।

### अन्य राज्यों को भी बिजली सप्लाई

सीपत का यह संयंत्र छत्तीसगढ़ और मप्र से ज्यादा बिजली गुजरात, दमन दीव, दादरा नगर हवेली और महाराष्ट्र सहित नहीं जम्मू - कश्मीर को भी दे रहा है। गौरतलब है कि एक समय देश का बिजली ट्रांसमिशन का ढांचा कई ग्रिड में बँटा था। इससे देश के वेस्टर्न ग्रिड में जरूरत के मुकाबले 34 फीसदी तक बिजली की कमी थी तो उत्तर पूर्वी भारत में 35 फीसदी बिजली सरप्लस थी। नतीजा, देश के पश्चिम ईलाकों में आए दिन फ्रीक्वेंसी स्तर के गड़बड़ाते ही ब्लैक आउट जैसे हालात बनते थे। अटल सरकार के दौरान देश के सारे ग्रिड को जोडक़र नेशनल ग्रिड बनी। फिर, नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान जिस तरह का विस्तार बिजली उत्पादन के क्षेत्र में हुआ, उसने भारत को बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया। यही नहीं, निजी क्षेत्रों की भागीदारी के साथ ही भारत सरप्लस देश बन गया। इसके चलते अब खुद की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही कुछ पड़ोसी देशों को भी बिजली की आपूर्ति की जा रही है। सिन्हा ने बताते हैं कि परिसर में बने राखड़ बांध के जल भाव वाले क्षेत्र में 26 मेगावाट के फ्लोटिंग (तैरते) और परिसर की खुली जमीन पर 2.3 मेगावाट की सोलर परियोजना पर भी काम चल रहा है। 800 मेगावाट की नई इकाई से कार्बन उत्सर्जन में लगभग 10 से 12 प्रतिशत तक की कमी आने की संभावना है।

- शेष पेज 8 पर

### कई विभागों में अब तक कोर्स मॉड्यूल तैयार नहीं हो सका

# मिशन कर्मयोगी की धीमी रफ्तार, प्रदेश में 53 प्रतिशत शासकीय सेवक डिजिटल प्रशिक्षित नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शासकीय सेवकों को अधिक रचनात्मक, कल्पनाशील, सक्रिय, पेशेवर और तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई मिशन कर्मयोगी योजना का मध्यप्रदेश में क्रियान्वयन अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। डिजिटल युग की चुनौतियों से निपटने के लिए इस योजना के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक, सॉफ्ट स्किल्स और प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जानी है, लेकिन प्रदेश में बड़ी संख्या में कर्मचारी अब भी इससे दूर हैं।

#### प्रमुख विभागों में भी प्रशिक्षण की स्थिति कमजोर

विभागवार आंकड़ों पर नजर डालें तो स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और राजस्व जैसे बड़े विभागों में डिजिटल प्रशिक्षण का प्रतिशत बेहद कम है। स्वास्थ्य विभाग में मात्र 14.09 प्रतिशत, पंचायत एवं ग्रामीण विकास में 17.63 प्रतिशत और पीएचई विभाग में 20.77 प्रतिशत कर्मचारियों ने ही प्रशिक्षण लिया है। राजस्व विभाग में भी यह आंकड़ा 26.49 प्रतिशत तक ही सीमित है। इससे साफ है कि जमीनी स्तर पर इस योजना का लाभ अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच पा रहा है।

#### कुछ विभागों ने दिखाई प्रगति

हालांकि सामान्य प्रशासन, वन, स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभागों में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला है। सामान्य प्रशासन विभाग में 85.78 प्रतिशत कर्मचारी प्रशिक्षित हो चुके हैं, जबकि वन विभाग में 70.94 प्रतिशत और स्कूल शिक्षा में 53.76 प्रतिशत कर्मचारी डिजिटल प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। यह संकेत देता है कि इच्छाशक्ति और समन्वय के साथ इस योजना को सफल बनाया जा सकता है।

#### पदोन्नति और एसीआर से जोड़ा गया प्रशिक्षण

सरकार ने मिशन कर्मयोगी के तहत प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाते हुए इसे कर्मचारियों की पदोन्नति और एसीआर (वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट) से भी जोड़ने की तैयारी की है। अधिकारियों को आइजीओटी पोर्टल पर सक्रिय उपयोगकर्ता बनाने का लक्ष्य दिया गया है, ताकि सभी कर्मचारी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

#### सरकार का लक्ष्य व चुनौती

अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला के अनुसार, भविष्य में पदोन्नति और अन्य सेवा लाभों के लिए इस प्रशिक्षण को अनिवार्य किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों को नियम आधारित के बजाय भूमिका आधारित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। हालांकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

#### समय सीमा बढ़ी, फिर भी अधूरी तैयारी

इस प्रशिक्षण को पूरा करने के लिए पहले 31 मार्च की समय सीमा तय की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है। बावजूद इसके कई विभागों में कोर्स मॉड्यूल तक तैयार नहीं हो पाए हैं, जिससे प्रशिक्षण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर 4300 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं, लेकिन इनका उपयोग सीमित स्तर पर ही हो पा रहा है।

### NCISM ने जारी किया आदेश

# कॉलेजों में शिक्षकों ने कक्षा नहीं ली तो शिकायत कर सकेंगे छात्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आयुर्वेद, यूनानी और सिद्धा कॉलेजों में शिक्षक ने यदि कक्षाएं नहीं ली तो विद्यार्थी उनकी शिकायत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआइएसएम) में कर सकेंगे। इसके लिए आयोग सोमवार को आदेश जारी किए हैं। निजी या शासकीय सभी कालेजों में अपने सूचना पटल पर यह आदेश लगाना होगा। कॉलेज की वेबसाइट पर भी अपलोड करना होगा।

आयोग के मेडिकल असेसमेंट एवं रेटिंग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ मुकुल पटेल ने आदेश जारी कर दिया है। पत्र में कहा गया है कि यदि कक्षाएं नियमित न लगें, नामित शिक्षक लगातार अनुपस्थित रहे तो विद्यार्थी एनसीआइएसएम को शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रहेगा। संस्थान को भी समय सारिणी की विधिवत जानकारी आयोग को देनी होगी। लापरवाही बरतने पर आयोग संस्थान व फैकल्टी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि देशभर में भारतीय चिकित्सा पद्धति के 700 से अधिक कॉलेज

#### शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय का कहना है कि यह आदेश शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे न केवल शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी, बल्कि विद्यार्थियों को नियमित और मानक स्तर की शिक्षा भी मिल सकेगी। आयोग के इस फैसले से उन संस्थानों पर लगाम लगेगी जहाँ शिक्षक कागजों पर तो मौजूद हैं लेकिन कक्षाओं से नदारद रहते हैं।

#### गोपनीय रहेगी शिकायतकर्ता की पहचान

पत्र में कहा गया है कि यदि कक्षाएं नियमित न लगें या नामित शिक्षक लगातार अनुपस्थित रहे तो विद्यार्थी एनसीआइएसएम को शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाएगा। संस्थान को भी अपनी समय सारिणी की विधिवत जानकारी आयोग को देनी होगी। लापरवाही बरतने पर आयोग संस्थान व फैकल्टी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि देशभर में भारतीय चिकित्सा पद्धति के 700 से अधिक कॉलेज संचालित हो रहे हैं।

### 15 दिन में नया प्लान तैयार करने के निर्देश

# जीएमसी में ओपीडी बढ़ी, लेकिन कई विभागों से मरीजों का भरोसा घटा, सर्जरी भी हो रही कम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के जनरल सर्जरी विभाग की ओपीडी में 31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही पीडियाट्रिक सर्जरी में 17 फीसदी की गिरावट हुई है। इमरजेंसी मेडिसिन और ईएनटी में लोगों का भरोसा घटा है। यानी यहां ओपीडी में गिरावट दर्ज की गई है।

हालांकि तीन साल में ओपीडी मरीजों की संख्या में 3.8% की बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 में 4.6% की तेजी के बाद 2025-26 में हल्की गिरावट आई। कुल मिलाकर मरीजों का दबाव लगातार बना हुआ है। कुछ बड़े विभागों में मरीजों का भरोसा घटता दिख रहा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अशोक वर्णवाल ने जीएमसी के कार्यों की समीक्षा की। जिसमें व्यवस्थाओं से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक पर चर्चा हुई। खास बात यह है कि जहां सुपर स्पेशियलिटी विभागों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, वहीं बेसिक इलाज से जुड़े विभागों में गिरावट ने सिस्टम की प्राथमिक सेवाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**सोलर प्लांट के बावजूद भारी बिजली बिल-** सबसे अहम निर्णयों में सुपर स्पेशलिटी विभाग के लिए कमला नेहरू अस्पताल के उन्नयन पर चर्चा हुई। अस्पताल में सोलर प्लांट लगे होने के बावजूद लाखों रुपए के बिजली बिल आने का मामला भी सामने आया। बताया गया कि सोलर सिस्टम ऑफ-ग्रिड होने के कारण उसका लाभ बिल में नहीं मिल रहा है। निर्देश दिए गए कि सभी विभाग नियमित सेल्फ ऑडिट करें और हर महीने प्रगति की समीक्षा करें। तीन महीने बाद फिर समीक्षा होगी। तब तक सभी कमियों को दूर कर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस, डीन डॉ. कविता एन सिंह, हमीदिया अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन सहित सभी विभागों के एचओडी मौजूद रहे। एसीएस ने अस्पताल के लिए प्रस्तावित 10 करोड़ रुपए के उपकरण बजट पर 15 दिन के भीतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा है।

## सड़कों की दुर्दशा से रहवासी परेशान

भोपाल। नए शहर के पॉश इलाके शाहपुरा में सड़कों की दुर्दशा की वजह से रहवासी परेशान हैं। मेंटेनेंस करने वाली एजेंसियां इससे बेखबर दिखाई देती है।

### छिपकली कांड के बाद बंद कैंटीन, टिफिन पर भी रोक

# आरजीपीवी गेट पर भूखे छात्रों ने लगाए प्रबंधन के विरोध में नारे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में छिपकली कांड के बाद कैंटीन बंद होने के बाद छात्रों के सामने खाने का संकट खड़ा हो गया है। आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बाहर से आने वाले टिफिन पर भी रोक लगा दी, जिससे छात्रों को रात में भोजन नहीं मिल पाया।

इसी के विरोध में सोमवार-मंगलवार रात 12 बजे तक मुख्य गेट पर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। भूखे छात्रों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और व्यवस्था सुधारने की मांग की। छात्रों का कहना है कि इस घटना के बाद से उन्हें नियमित भोजन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रही हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर टिफिन लेकर आने वाले व्यक्ति को गार्ड्स ने रोक दिया। छात्रों का कहना है कि जब कैंटीन बंद है, तो बाहर से खाना आने देना चाहिए, लेकिन प्रशासन ने इस पर भी पाबंदी लगा दी है। इससे छात्र रात में भूखे रहने को मजबूर हो गए। सीवी रमन बॉयज हॉस्टल के 40 से 50 छात्र करीब 2 किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य गेट तक पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और पूर्व वार्डन व वरिष्ठ फैकल्टी के खिलाफ भी विरोध जताया।

#### बाहरी लोगों को नहीं रोकते

छात्रों ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी में बाहरी लोग आकर विवाद करते हैं, तब उन्हें नहीं रोका जाता, लेकिन छात्रों के खाने के टिफिन को रोक दिया जाता है। इस दोहरे रवैये को लेकर छात्रों में भारी नाराजगी देखी गई। एक छात्र आर्यन देशमुख ने बताया कि मंगलवार से मिड टर्म परीक्षा शुरू हो रही है। छात्र दिनभर लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन रात में खाने की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी बढ़ गई। छात्रों का कहना है कि परीक्षा के समय इस तरह की अव्यवस्था उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।

# इग्नू के विद्यार्थियों ने देखा एम्स अस्पताल का प्रबंधन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स के अस्पताल प्रशासन विभाग ने इग्नू के अस्पताल प्रबंधन कर रहे एमबीए विद्यार्थियों के भ्रमण दल को आधुनिक तकनीक से हो रहे इलाज, अस्पताल संचालन, गुणवत्ता प्रणालियों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. लक्ष्मी प्रसाद एवं डॉ. कवल कृष्ण ने किया। इस दौरान डॉ. श्रमण मुखोपाध्याय, डॉ. सुखेस मुखर्जी एवं डॉ. दीपा सिंह ने गुणवत्ता प्रबंधन, नियंत्रण, सुरक्षा मानकों तथा उन्नत जांच तकनीकों की जानकारी भ्रमण दल का कुशल संचालन आनंद कुमार ने किया। उन्होंने छात्रों को वित्त विभाग, मेडिकल रिकॉर्ड विभाग, किचन सेवाओं एवं लॉन्ड्री सेवाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर मैनिट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एन. श्रीनू उपस्थित रहे।

### छात्र-श्रमिकों के लिए पांच किलो का सिलेंडर

# तेल संकट के बीच सामने आईं तीनों कंपनियां कहा- कमी नहीं, डर से बना संकट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच प्रदेश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी को लेकर बनी आशंकाओं के बीच पहली बार तीनों सरकारी तेल कंपनियां-इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम सार्वजनिक तौर पर सामने आईं। सोमवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कंपनियों ने स्पष्ट किया कि मप्र में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

राहत के तौर पर कंपनियों ने 5 किलो के छोटे एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराना शुरू किया है। यह सुविधा खासकर छात्रों और श्रमिकों के लिए है, जिसमें बिना स्थानीय पते के प्रमाण के भी कनेक्शन दिया जा रहा है। इसके लिए पीथमपुर, मंडीदीप, देवास और गोविंदपुरा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

**अभी तीनों कंपनियां कितने सिलेंडर बांट रही हैं-** इंडियन ऑयल के स्टेट हेड एवं चीफ जनरल मैनेजर अजय कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, तीनों कंपनियां मिलकर रोज करीब 2.20 लाख एलपीजी सिलेंडर वितरित कर रही हैं, जो सामान्य स्तर के बराबर है।

**पैनिक बुकिंग का असर -** अफवाहों के चलते गैस बुकिंग 65-70 हजार से बढ़कर 1 से 1.5 लाख प्रतिदिन तक पहुंच गई थी। अब यह फिर सामान्य हो रही है। कंपनियों ने साफ किया कि असली समस्या सप्लाई की नहीं, बल्कि पैनिक बुकिंग से बने दबाव की है। प्रदेश में 13 बॉटलिंग प्लांट (6 इंडेन, 3 भारत, 4 एचपी) और 1552 वितरक सक्रिय हैं। सभी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। हर बुकिंग पर डीएसी (ओटीपी) जारी होता है, जो 7 दिन में डिलीवरी न होने पर बदल दिया जाता है।

**मेट्रो एंकर**

### रेलवे ने नई नेक्स्ट जनरेशन तकनीक से किया सिस्टम अपग्रेड

# 47 आरक्षण केंद्र बने अत्याधुनिक, घंटों कतार लगाने की नहीं जरूरत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के मुख्य स्टेशनों के 47 यात्री आरक्षण केंद्रों पीआरएस में अत्याधुनिक तकनीक प्रणाली से लैस कर दिया गया है। रेल प्रशासन ने इस नई तकनीक को अगली पीढ़ी यानि नेक्स्ट जेन नाम दिया गया है।

इन पीआरएस काउंटरों में नॉन रेल हेड पीआरएस, यूटीएस सह पीआरएस काउंटर तथा 6 चार्टिंग काउंटर शामिल है। मंडल के 21 स्टेशनों समेत विभिन्न स्थानों पर स्थित 47 आरक्षण केंद्रों की तकनीक को शत-प्रतिशत रूप से अपग्रेड कर दिया गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि इस आधुनिक प्रणाली के लागू होने से टिकट बुकिंग प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी एवं यात्री अनुकूल बन गई है। इस तकनीक को डीआरएम पंकज त्यागी के निर्देशन में रेलवे के आईटी इंजीनियरों ने तैयार किया है। नई प्रणाली के तहत प्रति मिनट लगभग 1.5 लाख से अधिक टिकट बुक करने में सक्षम है, जो वर्तमान प्रणाली की तुलना में लगभग पाँच गुना तेज है। टिकट संबंधी पूछताछ क्षमता में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है, जिससे यात्रियों को तुरंत जानकारी उपलब्ध होगी। जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण लागू किया गया है, जिससे फर्जी आईडी और दलालों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा। नई प्रणाली बहुभाषी इंटरफेस से युक्त है। इसमें सीट चयन और किराया कैलेंडर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नई प्रणाली में दिव्यांगजन, छात्र एवं मरीजों के लिए एकीकृत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई है। इससे टिकट बुकिंग प्रक्रिया और अधिक सुविधाजनक बनेगी। टिकट परीक्षक से 'न आने वाले यात्रियों' को तुरंत चिन्हित कर उनकी खाली सीटें प्रतीक्षा सूची अथवा आरएसी यात्रियों को शीघ्र आवंटित की जा सकेंगी।

### जबलपुर स्वास्थ्य विभाग में सफेद झूठ... रंगाई-पुताई, कंप्यूटर खरीदी और मरम्मत में गड़बड़ी उजागर

# 58 क्लीनिकों में 43 लाख खर्च दिखाया, नहीं हुआ काम, सात संदेह के घेरे में

**जबलपुर, दोपहर मेट्रो**

जिला स्वास्थ्य विभाग में 93 लाख रुपये के फर्जी बिल भुगतान मामले की जांच अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि अब मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों में उपकरण खरीदी से लेकर रंगाई-पुताई में फर्जीवाड़ा सामने आया है। कई कार्य कागजों में पूर्ण दर्शाकर लाखों की हेराफेरी की गई। जिले में 58 संजीवनी क्लीनिकों पर 43 लाख रुपये खर्च बताया गया है।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर गठित टीम संजीवनी क्लीनिकों का भौतिक सत्यापन कर रही हैं। रविवार को भी प्रशासन के अधिकारी संजीवनी क्लीनिक पहुंचे। संजीवनी क्लीनिक के नोडल अधिकारी पर भी प्रशासन का शिकंजा कस रहा है।

बिल डिस्टेंपर का बिल लगाया, चूना पुतवा दिया-एसडीएम रघुवीर मरावी के नेतृत्व में गठित टीम संजीवनी क्लीनिकों का भौतिक सत्यापन कर रही है। विस्तृत रिपोर्ट सोमवार को कलेक्टर को सौंप दी गई है। अब तक चली जांच में पता चला है कि कई संजीवनी क्लीनिकों में रंगाई-पुताई नहीं हुई पर राशि निकाल ली गई। वहीं क्लीनिकों में चूना पुतवाकर बिल डिस्टेंपर का लगाया गया है। कंप्यूटर सामग्री की खरीदी के प्रमाण भी कई क्लीनिकों में नहीं मिले। जबकि कंप्यूटर सामग्री के नाम पर भी खासी रकम खर्च की गई है। चौंकाने वाली जानकारी आई कि क्लीनिकों की मरम्मत के नाम पर भी राशि का गोलमाल किया गया है।

### दस्तावेज कुछ, भौतिक सत्यापन में कुछ और

जांच के दौरान दस्तावेजों में जिन कंप्यूटरों की खरीदी दर्शाई गई है, वे संबंधित क्लीनिकों में स्थापित ही नहीं मिले। इतना ही नहीं, उन्हीं कंप्यूटरों के लिए प्रिंटर खरीदे जाने का रिकार्ड भी सामने आया है, जिससे गड़बड़ी की आशंका और गहरा गई है। भौतिक सत्यापन के दौरान बड़ा अंतर सामने आ रहा है।

### कई अधिकारी संदेह के घेरे में

अब तक चली जांच में सात अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। सभी के खिलाफ पुख्ता सबूत भी जुटाए गए हैं। सोमवार को जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपे जाने के बाद एफआईआर कराई जा सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जबलपुर के शहरी क्षेत्रों में करीब 58 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक हैं। जांच दल को पूरे गोलमाल में शामिल सात अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध सबूत मिले हैं। एसडीएम रघुवीर मरावी का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच हो रही है

### कोठारी को बनाया प्रभारी सीएमएचओ

डॉ. संजय मिश्रा के निलंबन के बाद जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डा. नवीन कोठारी को सीएमएचओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कलेक्टर राघवेंद्र ने रविवार शाम आदेश जारी किया। उल्लेख किया कि नियमित पदस्थापना या अग्रिम आदेश जारी होने तक कोठारी जिम्मेदारी संभालेंगे।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सुगम संपर्कता परियोजना की समीक्षा, बोले-

# ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बनाने में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक करें उपयोग

**सागर, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए ड्रोन का उपयोग हो। सिपरी साफ्टवेयर न सिर्फ डीपीआर तैयार करने की दृष्टि से उपयोगी है बल्कि सड़क के साथ पुल-पुलियों की आवश्यकता दर्शाने में भी इसका उपयोग हो रहा है। सड़क निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग शुरू करना सराहनीय है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सुगम संपर्कता परियोजना संबंधी बैठक को संबोधित करते हुए सीएम ने निर्देश दिए कि गत माह शुरू किए गए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान की विभागीय स्तर पर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए। उन्होंने एक बगिया मां के नाम अंतर्गत की गई गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में आमजन की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि परियोजना में प्रदेश में एक हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कराया जाएगा तथा 100 से अधिक आबादी वाले मजरों-टोलों को सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा।

### पहले से बनीं सड़कों की जियो इंवेंट्री

सुगम संपर्कता परियोजना की विशेषता यह है कि इसमें पूर्व में बनी सड़कों की रिम्स पोर्टल के माध्यम से जियो-इंवेंट्री की जा रही है। इससे नई सड़कों के चयन में दोहराव की स्थिति नहीं बनेगी। जियो इंवेंट्री में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, पीएमजीएसवाय, मुख्य जिला सड़क और संपर्कता ऐप से चयनित सड़कें शामिल हैं। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 33 हजार 655 सड़कों में से 17 हजार 437 सड़कों की जियो इंवेंट्री का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही 9 जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रतलाम, जबलपुर, आगर-मालवा, मंदसौर और पन्ना जिले इस कार्य में अग्रणी हैं।

### सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग स्थल चयन में

सुगम संपर्कता परियोजना के तहत 2 गांवों, ग्राम पंचायतों, मजरों-टोलों और विद्यार्थियों के हित में सांदीपनि विद्यालयों तक बनने वाली सड़कों के लिए स्थान का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है। सड़कों की डीपीआर तैयार करने के लिए भी इस सॉफ्टवेयर और रिम्स पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। नई प्रस्तावित सड़कों का सर्वे में भी तकनीक उपयोग में लाई जा रही है। सर्वे की गई सड़कों में कार्य स्थल के हिसाब से सड़क निर्माण का प्राक्कलन सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क निर्माण में किस जगह पर पुल-पुलिया एवं कल्वर्ट की आवश्यकता है, ये भी सॉफ्टवेयर द्वारा बताया जा रहा है। इस प्रकार परियोजना में सड़क निर्माण के कार्य स्थल के चयन से लेकर डीपीआर तैयार करने तक का कार्य वैज्ञानिक पद्धति से हो रहा है।

### जिला स्तर पर बनेंगे प्रस्ताव, स्वीकृत भी होंगे

परियोजना अंतर्गत प्रदेश में 7 हजार 135 नवीन सड़कों का प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। प्रदेश के 29 जिलों में 1771 नवीन सड़कों का प्रस्ताव जिला स्तर पर स्वीकृत किया जा चुका है। परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी अमले को तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण भी दिया गया है। इसमें राज्य स्तर से 2100 से अधिक तकनीकी स्टॉफ और विभिन्न श्रेणी के अभियंताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को भी निर्माण के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। परियोजना अंतर्गत बनने वाली सड़कों की गुणवत्ता की जानकारी ड्रोन तकनीक से प्राप्त करने के अलावा सड़कों के निर्माण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की निगरानी जनपद, जिला और राज्य स्तर पर डैशबोर्ड से करने की पहल की गई है।

### पीएम आवास योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा...

# पात्रों की जगह अपात्रों को मिला लाभ कच्चे घरों में रहने को मजबूर गरीब

**छतरपुर, दोपहर मेट्रो**

गरीबों को पक्के घर देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना तहसील क्षेत्र के कई गांवों में दम तोड़ती नजर आ रही है। योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने के बजाय अपात्र लोगों को दे दिया गया है। पात्र लोगों के नाम की जगह अपात्र लोगों के नाम जोड़कर गरीबों के लाखों रुपए हड़पने का घोटाला सामने आया है। जनपद नौगांव के तहसील क्षेत्र में कुर्राहा एवं टटम सेक्टर में 11-11 और लुगासी सेक्टर में 10 ग्राम पंचायतों के कई गांवों में कई परिवार पीढ़ियों से कच्चे घर में रहने को मजबूर हैं। बारिश में छतों और जर्जर दीवारों से पानी टपकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार पंचायत स्तरीय कर्मचारी और अधिकारी नियमों को दरकिनार कर मनमानी करते दिखाई देते हैं।

हैरानी की बात यह है कि जरूरतमंदों के आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मामले की शिकायत करने पर भी अधिकारी सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन करने पर भी उनके नाम सूची में शामिल नहीं किए जाते हैं, जबकि पक्के घरों में रहने वालों को योजना का लाभ दे दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उनके घर में जनप्रतिनिधि न होने और सुविधा शुल्क न दे पाने के कारण वे कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। जिम्मेदार उनके कच्चे घर देखने के लिए तैयार नहीं हैं।

रोजगार सहायक राघवेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत दिलनियां ने जिला पंचायत सीईओ को शिकायत में बताया है कि वास्तविक हितग्राहियों की जगह पर दूसरे लोगों के नाम जोड़कर राशि निकाल ली गई। ग्रामीण कमतू पिता राधेलाल कुशवाहा की जगह कमलेश पिता भागीरथ कुशवाहा, तातु पिता झल्लू कुशवाहा की जगह टंटू पिता रामदास कुशवाहा, बबलू पिता खरगईंया कुशवाहा की जगह बबलू पिता डरूवा कुशवाहा और रामदास पिता अर्जना कुशवाहा की जगह धनीराम अनुरागी का जॉबकार्ड डाला गया। हीरा पति हरदयाल कुशवाहा की जगह हरदयाल पिता टंटा कुशवाहा के नाम पीएमएवाई आईडी गलत बनाकर और जॉब कार्ड संख्या बदलकर भुगतान किया गया।

### हेरफेर कर निकाली गई 25 हजार और 40 हजार की राशि

बताया गया है कि ऐसे मामलों में पीएम आवास आईडी और जॉब कार्ड में हेरफेर कर 25 हजार और 40 हजार रुपये की किस्तें निकाली गईं। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में भारी अनियमितताएं हैं। पंचायत सचिव शासन के नियमों के विपरीत अपने स्तर पर नाम जोड़ते हैं। सर्वे में नाम जोड़ने के लिए सुविधा शुल्क की मांग की जाती है और राशि न देने पर नाम सूची से बाहर कर दिया जाता है।

कई शिकायतें करने पर भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं और वे मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं। इसलिए योजना के सर्वे की निष्पक्ष जांच कर पात्र लोगों को लाभ देने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। स्थानीय प्रशासन की चुप्पी के कारण पात्र

### गेहूं खरीदी में देरी और ओलावृष्टि को लेकर चढ़ा सियासी पारा

# 9 अप्रैल को कलेक्टर दफ्तरों पर उतरेगी किसान कांग्रेस, शिवराज के बंगले के सामने उपवास

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी में देरी और ओलावृष्टि से हुए नुकसान को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। किसान कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलते हुए 9 अप्रैल को प्रदेशभर में कलेक्टर कार्यालयों के घेराव का ऐलान किया है। साथ ही मांगें नहीं मानी गईं तो भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास के सामने सामूहिक उपवास की चेतावनी दी गई है।

### सरकार पर लगाया विश्वासघात का आरोप

प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर किसानों के

साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से किसान बिचौलियों के हाथों शोषण झेलने को मजबूर हो रहे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान 2700 प्रति क्विंटल गेहूं खरीद का वादा किया गया था, लेकिन हकीकत में किसानों को केवल 40 का बोनस दिया जा रहा है। पिछले साल 175 बोनस मिलने के मुकाबले इस साल भारी कटौती कर दी गई, जबकि राजस्थान में 150 बोनस दिया जा रहा है।

### खरीदी में देरी के लिए साजिश का आरोप

किसान कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने जानबूझकर खरीदी की तारीखें तीन बार आगे बढ़ाईं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में 10 अप्रैल और अन्य संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी शुरू करने का फैसला किसानों को मजबूर करने वाला है, ताकि वे कम दाम में फसल बेच दें। कांग्रेस का कहना है कि 10 करोड़ बारदानों की जरूरत के मुकाबले केवल 2.60 करोड़ के लिए आवेदन करना सरकार की तैयारी की कमी को दिखाता है। 1 अप्रैल को हुई ओलावृष्टि से सीहोर, विदिशा समेत 17 जिलों में फसलें बर्बाद हो गईं। मंडियों में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में भीग गया, लेकिन अब तक किसानों को राहत नहीं मिल पाई है।

### बाल विवाह पर सख्ती

## अक्षय तृतीया से पहले सभी जिलों में कंट्रोल रूम और उड़न दस्ते बनाने के निर्देश

**भोपाल।** अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले सामूहिक विवाह में बाल विवाहों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सचिव महिला एवं बाल विकास जी वी रश्मि ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं को शून्य करने और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण नेशनल फ़ैमिली हेल्थ सर्वेके आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में कमी आई है, लेकिन कुछ जिलों में अभी भी यह समस्या बनी हुई है।

### विशेषज्ञ बोले- इतना कम प्रतिशत 10वीं बोर्ड के लिए खतरे की घंटी

# शिक्षा व्यवस्था की हकीकत, नौवीं में भोपाल संभाग में 41.9% विद्यार्थी फेल

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

कक्षा 9वीं के नतीजों ने भोपाल संभाग की शिक्षा व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी है। कुल 70,789 विद्यार्थियों में से 29,688 (41.9त्न) छात्र फेल हो गए। हर 10 में से 4 से ज्यादा बच्चे अगली कक्षा तक नहीं पहुंच पाए। पास प्रतिशत सिर्फ 51.4त्न विद्यार्थी की पास हो सके। संभाग जिलों के बीच प्रदर्शन में बड़ा अंतर सामने आया।

सबसे चिंताजनक स्थिति विदिशा की रही। जहां फेल (8,153) पास (7,820) से ज्यादा हैं। राजधानी औसत से बेहतर रही, फिर भी सीहोर से पिछड़ पीछे गई। भोपाल में 53.3त्न रिजल्ट रहा। संभाग के औसत से बेहतर, लेकिन सीहोर से पीछे। संसाधन और

स्कूल बेहतर होने के बावजूद टॉप पर नहीं पहुंचना बड़ा सवाल है। 5,127 छात्रों का फेल होना संकेत देता है कि बेसिक लर्निंग गैप अभी भी बड़ा है।

शैक्षणिक मामलों के जानकार परेश पाठक के मुताबिक 9वीं में ही इतना बड़ा फेल प्रतिशत आगे 10वीं बोर्ड के लिए खतरे की घंटी है। राजधानी भोपाल भी लीड रोल नहीं निभा पा रही है। स्कूल स्तर पर कॉन्सेप्ट क्लियरिटी और प्रैक्टिस की कमी साफ दिख रही है।

### हर दूसरा छात्र फेल के करीब

कई जिलों में पास-फेल का अंतर बेहद कम, थोड़ा सुधार ही तस्वीर बदल सकता है। 11वीं में भोपाल तीसरे नंबर पर, 79 फीसदी रिजल्ट भोपाल संभाग के 11वीं के नतीजों में राजधानी तीसरे स्थान पर रही। जिले में 7,918 में से 6,282 छात्र पास हुए, यानी करीब 79% रिजल्ट रहा, जबकि 1,591 फेल हुए। संभाग में सीहोर पहले और रायसेन दूसरे स्थान पर रहे। सीहोर में फेल सबसे कम (862) रहे। कुल 47,405 छात्रों में से 35,575 पास और 8,843 फेल हुए, पास प्रतिशत करीब 75त्न रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक भोपाल का टॉप पर न पहुंचना चिंता का विषय है।

# संविदा नियुक्तियां: अभियंता संघ ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

**भोपाल/जबलपुर, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ (एमपीवीएमएएस) ने ऊर्जा विभाग की कंपनियों में प्रस्तावित संविदा नियुक्तियों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संघ ने इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मध्य प्रदेश संविदा नियुक्ति (सिविल पद) नियम, 2017 के तहत की जा रही नियुक्तियों की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

संघ के महासचिव विकास कुमार शुक्ला ने बताया कि अभियंता संघ प्रदेश के ऊर्जा विभाग की सभी उत्तराधिकारी कंपनियों में कार्यरत सहायक अभियंता से लेकर कार्यपालन निदेशक स्तर तक के अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करता है। संघ समय-समय पर प्रशासन को अधिकारियों की समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराते हुए विद्युत तंत्र को सुदृढ़ बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है।ज्ञापन में कहा गया है कि पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि निर्णय स्पष्ट नियमों एवं प्रक्रियाओं के तहत लिए जाएं। किंतु वर्तमान में सेवानिवृत्त अधिकारियों को चयनित कर महत्वपूर्ण पदों पर संविदा के माध्यम से नियुक्त करने की प्रक्रिया से नियमित अधिकारियों में असंतोष एवं असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है।

संघ ने आरोप लगाया है कि ऊर्जा विभाग द्वारा नियमों में शिथिलता लाकर तथा निर्धारित प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए संविदा नियुक्तियों का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। इससे न केवल योग्य एवं अनुभवी नियमित अधिकारियों की पदोन्नति के अवसर प्रभावित होंगे, बल्कि संगठनात्मक मनोबल पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

**दोपहर मेट्रो**

### 80 हजार दर्शकों की उपस्थिति से महानाट्य बना ऐतिहासिक

# काशी की पावन धरा पर हुआ उज्जैनी के शौर्य का सूर्योदय

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भारतीय इतिहास के पन्नों पर कुछ क्षण ऐसे अंकित होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाते हैं। अप्रैल 2026 की शुरुआत में धर्म नगरी वाराणसी के क्षितिज पर एक ऐसा ही स्वर्णिम अध्याय लिखा गया। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका (उज्जैन) का जब आध्यात्मिक संगम हुआ, तो विक्रमोत्सव-2026 के माध्यम से एक नया सांस्कृतिक इतिहास रचा गया। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित 3 दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य महज़ एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि यह भारत के गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक शंखनाद था। वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक चले इस आयोजन ने न केवल दर्शकों का मन मोहा, बल्कि सुशासन, न्याय और पराक्रम की उस गाथा को जीवंत कर दिया, जो सदियों से हमारे रक्त में प्रवाहित है।

### मां गंगा से नर्मदा तक: पर्यटन और संस्कृति का नवीन सेतु

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के तीन दिवसीय आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता रहा। माँ गंगा से नर्मदा तक थीम पर आधारित इस पहल का उद्देश्य श्री काशी विश्वनाथ और श्री महाकालेश्वर के बीच एक अभेद्य सांस्कृतिक गलियारा बनाना है। यह समझौता केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों राज्यों के बीच पर्यटन के नए द्वार खोलेगा। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मध्यप्रदेश के आध्यात्मिक केंद्रों की ओर आकर्षित होंगे और मध्य प्रदेश के नागरिक काशी की महिमा से सीधे जुड़ेंगे।

इस भव्य महानाट्य का शुभारंभ एक ऐतिहासिक दृश्य के साथ हुआ, जब मंच पर सुशासन के 2 आधुनिक ध्वजवाहक—मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ—एक साथ उपस्थित हुए। यह उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि आज का भारत अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। डॉ. यादव ने अपने संबोधन में सम्राट विक्रमादित्य को सुशासन का वैश्विक नायक बताते हुए कहा कि विक्रमादित्य का जीवन राष्ट्र प्रेम, न्यायप्रियता और प्रजा-वात्सल्य का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की युवा पीढ़ी को यह बताने की आवश्यकता है कि भारत के पास एक ऐसा शासक था, जिसके न्याय के सामने काल भी नतमस्तक था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान राम-लक्ष्मण और कृष्ण-बलराम की दिव्य जोड़ियों के साथ सम्राट विक्रमादित्य और उनके भाई राजा भर्तृहरि की जोड़ी का उल्लेख कर भारतीय भ्रातृ-प्रेम और त्याग की परंपरा को नई ऊँचाई दी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आयोजन को एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प की सिद्धि बताया। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का उत्तर प्रदेश से गहरा नाता है।

# गेहूं खरीदी : वादों से आगे क्या

मध्यप्रदेश में गेहूं उपार्जन का मौसम हर साल सिर्फ एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार और किसानों के बीच भरोसे की परीक्षा भी होता है। इस बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़े दावों और स्पष्ट संदेश के साथ संकेत दिया है कि सरकार इस परीक्षा में सफल होने के लिए तैयार है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कागजी तैयारियां जमीन पर भी उतनी ही मजबूत साबित होंगी? सरकार का दावा है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी तय समय पर शुरू होगी और पंजीकृत सभी किसानों का गेहूं खरीदा जाएगा। प्राथमिकता छोटे किसानों को देने की बात निश्चित ही सराहनीय है, क्योंकि अक्सर यही वर्ग सबसे अधिक परेशान होता है। लेकिन यह भी सच है कि हर साल 'पहले छोटे किसान' की नीति व्यवहार में कई बार उलझनों का कारण बनती है- जहां न तो छोटे किसान समय पर संतुष्ट हो पाते हैं और न ही बड़े किसान। स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित समाधान के रूप में पेश किया जा रहा है। यदि यह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से लागू होती है, तो लंबी कतारों और अव्यवस्था से राहत मिल सकती है। परंतु, ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच और तकनीकी समझ की सीमाएं इस व्यवस्था को चुनौती भी दे सकती हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बारदाने की उपलब्धता को लेकर इस बार सरकार पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही है। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि कमी नहीं होने दी जाएगी। यह भरोसा महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले वर्षों में बारदाने की कमी ने खरीदी प्रक्रिया को प्रभावित किया था। लेकिन अनुभव यह भी बताता है कि आपूर्ति श्रृंखला में छोटी-सी चूक भी बड़े संकट का रूप ले सकती है। एक सकारात्मक पहलू यह है कि सरकार ने मंडियों के आधुनिकीकरण और 'वर्ल्ड क्लास' बनाने की बात कही है। यदि यह सोच धरातल पर उतरती है, तो यह केवल खरीदी प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि पूरे कृषि बाजार तंत्र को नई दिशा दे सकती है। साथ ही, कंट्रोल रूम की स्थापना और नियमित निगरानी के निर्देश प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकते हैं। सबसे अहम मुद्दा भुगतान का है। किसान के लिए सबसे बड़ी राहत तब होती है जब उसकी उपज का पैसा समय पर खाते में पहुंच जाए। सरकार ने त्वरित भुगतान का आश्वासन दिया है- अब इसे सख्ती से लागू करना ही असली कसौटी होगी। 2,625 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और 40 रुपए बोनस निश्चित रूप से किसानों के लिए राहत का संकेत है। लेकिन केवल मूल्य नहीं, पूरी प्रक्रिया का सुचारू संचालन ही असली सफलता तय करेगा। निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ये इरादे खेत से मंडी तक कितनी ईमानदारी से निभाए जाते हैं।

# युद्ध ने बदल ली अपनी देह, अब वह घोषणा नहीं करता, धीरे-धीरे भीतर उतरता है

परिचय दास
स्तंभकार

कभी युद्ध का अर्थ सीधा था–दो सेनाएं, दो सीमाएं और बीच में धूल, धुआं, बारूद। तलवारें टकराती थीं तो आवाज़ दूर तक जाती थी। किसी नगर पर धावा होता था तो आकाश तक उसकी खबर पहुँचती थी। युद्ध दिखता था, सुनाई देता था और उससे डरना भी आसान था। अब युद्ध ने अपनी देह बदल ली है। उसने अपने हथियार छिपा लिए हैं और अपना चेहरा धोकर भीड़ में खड़ा हो गया है। अब वह घोषणा नहीं करता, धीरे-धीरे भीतर उतरता है, जैसे कोई आदत, जैसे कोई विश्वास।

अब युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं होते। वे हमारे हाथों में पकड़े छोटे-से यंत्र में भी चलते रहते हैं। हम उसे फोन कहते हैं, वह हमें दुनिया से जोड़ता है लेकिन उसी के भीतर एक और दुनिया है जहाँ शब्द हथियार बन जाते हैं, सूचना एक रणनीति हो जाती है और सच, किसी सॉफ्टवेयर की तरह संपादित किया जा सकता है। यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें गोली नहीं चलती पर एक अफ़वाह लाखों मनों को घायल कर देती है। यहाँ सैनिक नहीं दिखते पर स्क्रीन के पीछे बैठे लोग अदृश्य मोर्चे पर लगे होते हैं। यह युद्ध शोर नहीं करता पर धीरे-धीरे हमारी समझ को बदल देता है, हमारे निर्णयों को मोड़ देता है और हमें यह भी नहीं पता चलता कि हम कब एक विचार के पक्ष या विपक्ष में खड़े कर दिए गए। आर्थिक युद्ध की प्रकृति भी उतनी ही विचित्र है। इसमें बम नहीं गिरते पर अर्थव्यवस्थाएँ ढह जाती हैं। मुद्रा का मूल्य एक अदृश्य आक्रमण का शिकार हो जाता है, व्यापारिक प्रतिबंध एक नए तरह की नाकेबंदी बन जाते हैं। किसी देश को हराने के लिए अब उसके शहरों को जलाना आवश्यक नहीं, उसके बाज़ारों को रोक देना ही पर्याप्त है। सांस्कृतिक युद्ध और भी सूक्ष्म है। यह हमारी भाषा में प्रवेश करता है, हमारे स्वाद को बदलता है, हमारी स्मृतियों को पुनर्लिखित करता है। यह हमें हमारे ही अतीत से थोड़ा-थोड़ा दूर करता है और एक नए वर्तमान में ढालता है जहाँ हम अपने ही प्रतीकों को पहचानने में हिचकने लगते हैं। यह युद्ध किसी सेना के साथ नहीं आता बल्कि गीतों, फिल्मों, विज्ञापनों, और जीवन-शैली के रूप में फैलता है। हम इसे अपनाते हैं, कभी स्वेच्छा से, कभी अनजाने में और धीरे-धीरे यह हमारी पहचान का हिस्सा बन जाता है। यह जीत इतनी शांत होती है कि पराजय का बोध भी नहीं होता। इन तीनों रूपों में एक समानता है–ये युद्ध हमें सीधे घायल नहीं करते, बल्कि हमें बदलते हैं। वे हमारी दृष्टि को प्रभावित करते हैं, हमारी प्राथमिकताओं को पुनर्गठित करते हैं और हमारी संवेदनाओं को नई दिशा देते हैं। पहले युद्ध में शत्रु स्पष्ट होता था; अब वह धुंधला है। पहले युद्ध का अंत होता था–विजय या पराजय के साथ; अब इन युद्धों का कोई स्पष्ट अंत नहीं। वे चलते रहते हैं, हमारे जीवन के साथ-साथ, हमारी दिनचर्या के भीतर, हमारे विचारों के पीछे। इस बदलते हुए युद्ध-परिदृश्य में मनुष्य की स्थिति भी बदल गई है। वह अब सिर्फ एक नागरिक नहीं, एक उपभोक्ता भी है, एक उपयोगकर्ता भी और कई बार अनजान में एक सहभागी भी। वह उन सूचनाओं को साझा करता है जो किसी और के लिए हथियार बन सकती हैं। वह उन उत्पादों को खरीदता है जो किसी अर्थव्यवस्था को सशक्त या कमजोर कर सकते हैं। वह उन सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनाता है जो किसी पहचान को मजबूत या क्षीण कर सकते हैं। इस प्रकार, वह स्वयं इस युद्ध का एक हिस्सा बन जाता है, बिना किसी औपचारिक घोषणा के। फिर भी, इस जटिलता के बीच एक बात स्पष्ट होती है–कि युद्ध का केंद्र अब बाहरी नहीं, भीतरी हो गया है। यह हमारे भीतर घटित होता है। हमारी समझ, हमारी चेतना और हमारी संवेदना ही उसका मुख्य क्षेत्र हैं।

जो इन पर नियंत्रण पा लेता है, वह बिना एक भी गोली चलाए जीत सकता है। और जो इनकी रक्षा नहीं कर पाता, वह बिना किसी औपचारिक पराजय के हार सकता है। शायद इसी कारण, आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसी नई हथियार प्रणाली की नहीं बल्कि एक सजग दृष्टि की है। एक ऐसी दृष्टि जो सूचना और भ्रम के बीच अंतर कर सके, जो आकर्षण और प्रभाव के बीच भेद कर सके और जो अपने भीतर के संतुलन को बनाए रख सके। यह कोई आसान कार्य नहीं क्योंकि युद्ध अब बाहर से अधिक भीतर लड़ा जा रहा है। यह कहना कि युद्ध अब सिर्फ युद्ध नहीं रहे, एक साधारण कथन नहीं बल्कि एक गहरी चिंता का संकेत है। यह उस समय की ओर इशारा करता है, जहाँ हिंसा ने अपने रूप बदल लिए हैं और हम अभी भी पुराने रूपों को पहचानने में व्यस्त हैं। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि युद्ध हमारे चारों ओर ही नहीं, हमारे भीतर भी चल रहा है, तब तक हम उसकी प्रकृति को नहीं समझ पाएँगे। और शायद, सबसे बड़ी चुनौती यही है–कि हम इस नए युद्ध को पहचानें, उसे समझें और उसके बीच अपनी मनुष्यता को बचाए रखें क्योंकि अंततः हर युद्ध का सबसे बड़ा दाँव यही होता है–मनुष्य का मनुष्य बने रहना।

इसी प्रकार ईरान- इजराइल अमेरिकी संघर्ष में प्रत्यक्ष युद्ध की अनुपस्थिति के बावजूद निरंतर तनाव बना रहता है। यहाँ युद्ध एक स्थायी स्थिति के रूप में उपस्थित है–कभी साइबर हमलों के रूप में, कभी कूटनीतिक दबाव के रूप में और कभी अप्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाइयों के रूप में। इस प्रकार का संघर्ष यह संकेत देता है कि आधुनिक युद्ध अब घटना नहीं, बल्कि प्रक्रिया बन चुके हैं–धीरे-धीरे, निरंतर और कई स्तरों पर घटित होते हुए।

इन उदाहरणों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक युद्ध केवल बाहरी टकराव नहीं हैं बल्कि वे मनुष्य की चेतना, उसकी अर्थव्यवस्था और उसकी संस्कृति तक फैल चुके हैं। युद्ध अब एक समग्र अनुभव बन गया है, जो जीवन के प्रत्येक स्तर को प्रभावित करता है। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि युद्ध को केवल हथियारों के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं; उसे उसके व्यापक, बहुआयामी रूप में पहचानना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# विश्व स्वास्थ्य दिवस सजा हुआ स्वास्थ्य का बाजार और लगातार दम तोड़ती आम आदमी की उम्मीदें

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

भारत के बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि पहला सुख निरोगी काया, लेकिन आज की हकीकत को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब निरोगी वही रह सकता है जिसकी जेब में मोटा पैसा हो। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी एक बड़ी आबादी छोटी-सी बीमारी के इलाज के खर्चे से घबराती है, वहाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजन महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। असलियत तो यह है कि आज के दौर में जान है तो जहान है वाली बात अब अस्पतालों के भारी-भरकम बिलों के बीच कहीं दम तोड़ती नजर आती है। क्या हम वास्तव में स्वस्थ हो रहे हैं या सिर्फ दवाइयों के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं जिसका दूसरा सिरा कंगाली की ओर जाता है? आज चिकित्सा का पूरा क्षेत्र चकाचौंध भरे कारोबार में बदल चुका है। बड़े शहरों में फाइव स्टार होटलों जैसे दिखने वाले अस्पताल तो खड़े हो गए हैं, लेकिन वहां का दरवाजा खटखटाने से पहले एक आम आदमी दस बार अपनी खाली जेब टटोलता है।

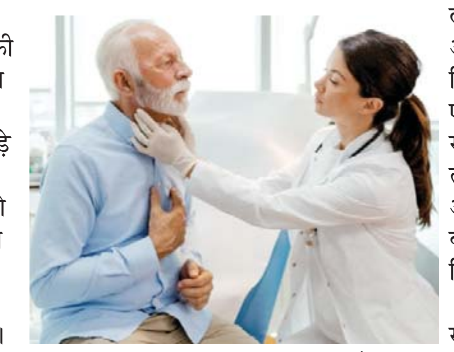

मध्यमवर्गीय परिवारों की बरसों की गाढ़ी कमाई एक गंभीर बीमारी के इलाज में चंद दिनों में हवा हो जाती है। हमारे यहाँ कहावत है गरीबी में आटा गीला, और आज के दौर में बीमारी वही काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, जहाँ लंबी कतारें और संसाधनों की कमी मजबूरन आदमी को निजी अस्पतालों की लूट की तरफ धकेल देती है।

चिकित्सा की संवेदनशीलता किस कदर खत्म हो रही है, इसका कड़वा अनुभव मुझे हाल ही में एक सामान्य खांसी के दौरान हुआ। एक मामूली खांसी के इलाज के लिए मुझे महीने भर के भीतर तीन डॉक्टर बदलने पड़े, क्योंकि हर बार मर्ज कम होने के बजाय दवाओं का बोझ और जांचों की लंबी फेहरिस्त बढ़ती गई। विडंबना देखिए कि आज डॉक्टर का आश्वासन मरीज को ढांढस बंधाने के बजाय उसकी चिंता और बीमारियां बढ़ा देता है। डॉक्टर अब मरीज की नब्ज से ज्यादा उसकी आर्थिक हैसियत टटोलते नजर आते हैं। जब एक छोटी-सी खांसी के लिए इंसान को हफ्तों भटकना पड़े और भारी-भरकम फीस चुकानी पड़े, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी गंभीर बीमारी में एक आम आदमी की रूह कितनी कांपती होगी। आज डॉक्टर और मरीज के बीच का वह पवित्र भरोसा व्यावसायिकता की भेंट चढ़ चुका है। गाँवों की स्थिति और भी विकट है, जहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर खुद ही बीमार नजर आते हैं। वहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण नीम-हकीमों का धंधा फल-फूल रहा है और बेचारा ग्रामीण मरीज शहर के चक्कर काटते-काटते अपनी जमीन-जायदाद तक से हाथ धो बैठता है। चिकित्सा व्यवस्था का ऐसा चरमराना केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। दवाइयों की पर्ची अब एक डरावने बिल की तरह लगती है जिसे देख मरीज का आधा खून सूख जाता है। सरकारी तंत्र की ढिलाई ने गली-मोहल्लों में ऐसे क्लीनिक खड़े कर दिए हैं जो इलाज के नाम पर सिर्फ वक्त और पैसा बर्बाद करते हैं। रसूखदारों के लिए तो यहाँ हर बिस्तर खाली है, लेकिन एक लाचार नागरिक के लिए सरकारी अस्पताल के स्ट्रेचर तक पहुंचना भी किसी जंग को जीतने जैसा है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ साँसों की कीमत केवल नोटों के बंडल तय करेंगे? संवेदनहीनता का यह वायरस आज चिकित्सा जगत की सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है, जिसका इलाज किसी अस्पताल के पास नहीं है।

निजी अस्पतालों में कमीशन का खेल और दवाओं के नाम पर जो लूट चल रही है, वह किसी आम नागरिक के पल्ले नहीं पड़ती। अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर दवाओं के दाम और इलाज का खर्च आज एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन चुके हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार को कर्ज के गहरे गड्ढे में धकेल सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ आजकल मानसिक तनाव, शुगर और बीपी जैसी बीमारियाँ घर-घर की कहानी बन गई हैं। प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर में धीरे-धीरे जहर घोल रहे हैं और हम बीमार होने के बाद लाखों लुटाने को तो तैयार हैं, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी आदतों में बदलाव करने को तैयार नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का इस तरह अंधाधुंध निजीकरण होना हमारे लोकतंत्र एवं समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य कोई बाजार में बिकने वाली लग्जरी चीज नहीं है जिसे केवल रईस लोग ही खरीद सकें, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक हक है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में कंजूसी छोड़नी होगी और दवाओं के दाम पर कड़ा हंटर चलाना होगा। डॉक्टरों को भी उस शपथ की लाज रखनी होगी जो उन्होंने इस पेशे में कदम रखते समय ली थी। असली स्वस्थ भारत तभी बनेगा जब इलाज किसी के लिए कंगाली का कारण न बने।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# हेल्थ अलर्ट: हल्के लक्षणों के साथ होता है सिरोसिस, इलाज न हो तो गंभीर हो जाती है कंडीशन

**लिवर** सिरोसिस एक खतरनाक बीमारी है, जो गंभीर होने के बाद मरीज की हालत खराब कर देती है। इसके मरीज अक्सर शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचने के बाद जागते हैं। इस बीमारी की शुरुआत में उन्हें पता ही नहीं लग पाता कि उनकी बॉडी खराब हो रही है। डॉक्टर बताते हैं कि सिरोसिस की बीमारी को शुरुआती स्टेज में पकड़कर प्रभावशाली तरीके से मैनेज किया जा सकता है। इसके लिए आपको छोटी-छोटी समस्याओं को पहचानना शुरू करना होगा, जैसे अक्सर थकान रहना, कमजोरी महसूस होना, भूख में कमी आना, आदि।

लिवर सिरोसिस एक गंभीर हेल्थ कंडीशन है। इसके कारण लिवर में डैमेज के निशान बन जाते हैं। इन्हें मेडिकल भाषा में स्कार टिश्यू कहा जाता है। इस प्रक्रिया में लिवर के काम करने की क्षमता धीरे-धीरे घटने लगती है। शुरू-शुरू में इसके लक्षण बहुत हल्के होते हैं और बीमारी के बढ़ने के साथ गंभीर होते जाते हैं। गंभीर होने पर इस बीमारी का शरीर पर प्रभाव साफ दिखने लगता है।

**छोटी चीजें पकड़नी होंगी:** लिवर सिरोसिस की प्रमुख रूप से दो स्टेज होती हैं। शुरुआती स्टेज में लिवर को नुकसान पहुंचने तो लगता है, लेकिन फिर भी यह अंग अपना सामान्य काम करने में सक्षम होता है। इस स्टेज में छोटी-छोटी समस्याएं इस बीमारी के लक्षण के रूप में दिखती हैं, जैसे- हल्की थकान, कमजोरी या भूख कम लगना। इन लक्षणों के मामूली होने के कारण बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। आप इन छोटी-छोटी दिक्कतों को पकड़कर ही सिरोसिस को समय पर पहचान सकते हैं। दूसरी डीकंपेंसेटेड स्टेज होती है, जिसके अंदर लिवर की फंक्शनल कैपासिटी काफी घट जाती है और लक्षण गंभीर बनकर सामने आने लगते हैं। इस वक्त मरीज के शरीर में सूजन, पेट में पानी भरना (एसाइटिस), पीलिया और आसानी से ब्लीडिंग होने की स्थिति झेलनी पड़ सकती है। यह स्थिति काफी खतरनाक होती है और इसमें तुरंत मेडिकल इलाज की जरूरत होती है।

**हमेशा थकान क्यों रहती है:** लिवर सिरोसिस के लक्षण धीरे-धीरे उभरते हैं और वक्त के साथ गंभीर होते जाते हैं। शुरुआत में मरीज को लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है, क्योंकि लिवर ढंग से काम नहीं कर पाता और एनर्जी की सप्लाई कम होने लगती है। साथ में भूख कम होने लगती है और पाचन खराब हो जाता है, जिससे वजन भी घटने लगता है। खून जमाने की क्षमता भी कम हो जाती है, जिसकी वजह से चोट लगने पर आसानी से या गंभीर ब्लीडिंग होती है। कुछ मरीजों की स्किन में लगातार खुजली होती रहती है, क्योंकि लिवर टॉक्सिन को फिल्टर करके बाहर नहीं निकाल पाता। इन टॉक्सिन का असर दिमाग पर पड़ सकता है, जिससे कंफ्यूजन, भूलने की समस्या या बिहेवियर में बदलाव जैसे मानसिक संकेत भी दिखते हैं।

**इस वक्त डॉक्टर के पास जाना जरूरी:** लिवर सिरोसिस को समय पर पकड़ने के लिए कुछ लक्षणों के दिखने पर डॉक्टर के पास जरूर चले जाना चाहिए। अगर आपको लंबे समय से थकान महसूस होती रहती है और आराम करने के बाद भी ठीक नहीं होती, पीलिया हुआ है, पेट में सूजन रहती है या अचानक अपने आप वजन कम होने लगा है तो शांत ना बैठें। यह लिवर के अंदर गंभीर समस्या का संकेत हो सकते हैं।

## सुविचार

हर दिन एक नया मौका है, अपनी गलती सुधारने का, और खुद को फिर से बेहतर बनाने का। –अज्ञात

## निशाना

### फ़साना हो गया

**कान्ति शुक्ला**

राह में कांटे बिछाना हो गया।
ये नयी रुत का रुलाना हो गया।
सचबयानी का सिला पाने लगे।
बेसबब दुश्मन जमाना हो गया।
बदनसीबी ने हमें ऐसा छला
जो रहा अपना बेगाना हो गया।
बेजुबां कलियों के मन मैले हुए
इन हवाओं का सताना हो गया।
जिंदगी की मुश्किलों को झेलते
आदमी भी कुछ दिवाना हो गया।
हम गिला शिकवा नहीं करते कभी
हर तरह से अब निभाना हो गया।
थी कहानी और कुछ समझे नहीं
मुख़्तसर थी पर फसाना हो गया।

## नॉलेज

# अमेरिकन सील की तरह भारत के पास है मार्कोस घर में घुसकर रेस्क्यू और तबाही मचाने में सक्षम

**अमेरिका** ने ईरान की जमीन में घुसकर अपने पायलट को जिस तरह से बचाया, उसने सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। अमेरिका ने इस मिशन के लिए खास तौर से अपनी नेवी सील की टीम भेजी थी। यह दुनिया की सबसे खतरनाक स्पेशल फोर्स मानी जाती है। इस अमेरिकी ऑपरेशन के बाद कई भारतीय के मन में यह सवाल जरूर उठ रहा है कि अगर फरवरी 2019 में पाकिस्तान ने बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन को रिहा करने से इनकार कर दिया होता, तो भारत क्या करता? भारत अपनी किस स्पेशल फोर्स को पाकिस्तान के अंदर भेजकर अभिनंदन को छुड़ाता?

दरअसल भारत के पास भी अमेरिकन नेवी सील (स्थ्रह) की तरह ही घातक और सक्षम फोर्स मौजूद है, जिसका नाम है मार्कोस मरीन कमांडोज़। जब अभिनंदन का स्र्ढ़ड-21 पाकिस्तान में गिरा और वे बंदी बना लिए गए, तो भारत ने पहले कूटनीतिक दबाव बनाया। भारत के इसी दबाव का असर था कि पाकिस्तान ने 60 घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया। लेकिन अगर पाकिस्तान अड़ा रहता और अभिनंदन को किसी जेल या फॉरवर्ड एयरबेस में रख लेता, तो भारत के पास सैन्य विकल्प तैयार था। रक्षा विशेषज्ञों और पूर्व स्पेशल फोर्स अधिकारियों के अनुसार, भारत सबसे पहले स्त्र्ज्ञद्धद्भह्य को ऑपरेशन के लिए चुनता। स्त्र्ज्ञद्धद्भह्य कमांडो की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्टील्थ यानी गुप्त तरीके से घुसपैठ करने की क्षमता है। ये कमांडो दुश्मन की सीमा में बिना भनक लगे घुस सकते हैं, लंबे समय तक छिपकर रह सकते हैं और सही मौके पर हमला कर लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

**भारत की 'डेथ स्क्वॉड' है मार्कोस:** भारतीय नौसेना की सबसे खतरनाक स्पेशल फोर्स स्त्र्ज्ञद्धद्भह्य यानी मरीन कमांडो फोर्स को 'द फ्यू, द फियरलेस' कहा जाता है। ये कमांडो समुद्री, नदी, दलदली और पहाड़ी इलाकों में घुसकर ऑपरेशन करने में माहिर हैं। MARCOS की ट्रेनिंग इतनी कठिन है कि 80-90% उम्मीदवार पहले ही चरण में ड्रॉप हो जाते हैं। वे रात के अंधेरे में पैराशूट ड्रॉप, स्विफ्ट बोट इंसर्शन, अंडरवाटर डेमोलिशन और हाई-रिस्क होस्टेज रेस्क्यू में विश्व स्तरीय हैं। अगर अभिनंदन को पाकिस्तान की किसी एयरबेस या जेल में रखा जाता, तो MARCOS की एक छोटी लेकिन घातक टीम हेलीकॉप्टर या स्पीड बोट के जरिए पाकिस्तान में घुसकर रेस्क्यू कर सकती थी। साथ में पैरा स्पेशल फोर्स को भी शामिल किया जा सकता था, जो 'Red Devils' के नाम से जानी जाती है। इस टुकड़ी को हाई-रिस्क, हाई-वैल्यू टारगेट मिशन के लिए ट्रेन किया जाता है।

2019 में कूटनीति काम कर गई, लेकिन अगर पाकिस्तान अड़ा रहता तो भारत 'अमेरिकन सील स्टाइल' में स्त्र्ज्ञद्धद्भह्य कमांडो भेजकर पाकिस्तान में तबाही मचा सकता था। स्त्र्ज्ञद्धद्भह्य और स्नद्बस्रद्ग स्न्र की क्षमता आज दुनिया के किसी भी स्पेशल फोर्स से कम नहीं है।

## न्यू ऑफर

# 265 रुपये में अनलिमिटेड 5G और कॉलिंग पोस्ट पेड़ से घर के 4 लोगों को मिलेगा फायदा

**आजकल** Jio का अनलिमिटेड 5G वाला प्रीपेड प्लान कम से कम 349 रुपये में मिलता है। अब सिर्फ 265 रुपये में अनलिमिटेड 5G और कॉलिंग जैसे फायदे का ऑफर दिया जा रहा है। इसके लिए 449 रुपये वाला पोस्टपेड प्लान लेना पड़ेगा। आमतौर पर पोस्टपेड प्लान के लिए यह धारणा रहती है कि यह प्रीपेड के मुकाबले महंगे पड़ते हैं। हालांकि अगर आप सही प्लान का चुनाव करें और उसे समझदारी से इस्तेमाल करें, तो यह आपको प्रीपेड प्लान से सिर्फ सस्ता पड़ सकता है बल्कि ज्यादा फायदे भी दिला सकता है।

दरअसल Jio का 449 वाला पोस्टपेड प्लान इसलिए खास है क्योंकि आप इसमें तीन अलग-अलग नंबर एक ही प्लान में शामिल कर सकते हैं। हर नंबर को प्लान में जोड़ने पर 150 रुपये का एड ऑन शुल्क लगता है और तीन नंबर जोड़ने के बाद आखिर में टैक्स लगाकर आप 265 रुपये प्रति सदस्य की दर से अनलिमिटेड 5G इंटरनेट और कॉलिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। अगर आप Jio यूजर हैं, तो आपको प्रीपेड से ज्यादा सस्ता पोस्टपेड कनेक्शन पड़ सकता है। इसके लिए आपको 449 वाला पोस्टपेड प्लान लेना होगा। इसमें आप घर के 3 और अलग-अलग नंबर जोड़ सकते हैं। हर नंबर को जोड़ने के लिए 150 रुपये प्लान में जोड़ दिए जाते हैं।

ऐसे में 4 लोगों के लिए आपका प्लान 899 रुपये का हो जाएगा। इसके बाद इसमें अगर 161.82 रुपये का टैक्स और जोड़ लिया जाए, तो 4 लोगों के प्लान की कुल रकम 1060.82 रुपये महीना बैठेगी। इस तरह से आपके लिए चार लोगों का प्लान 265 रुपये महीने का पड़ेगा। जो कि अपने फायदों के साथ किसी भी मौजूदा प्रीपेड प्लान से ज्यादा बेहतर है।

**265 रुपये के प्लान में क्या मिलेगा?:** प्रति व्यक्ति 265 रुपये के पड़ने वाले इस प्लान में अनलिमिटेड 5G मिलेगा, जो कि उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो 5G कवरेज में रहते हैं और 5G फोन इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में प्लान में दिए जाने वाले डेटा से तब तक कोई डेटा लिमिट नहीं होगा, जबतक यूजर 5G का इस्तेमाल करते रहेंगे। इसके अलावा अनलिमिटेड कालिंग का फायदा भी आप बिना किसी वैलिडिटी की टेंशन के उठा सकेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि पोस्टपेड कनेक्शन में रिचार्ज खत्म हो जाने की फिक्र नहीं करनी पड़ती। ऐसे में अगर आप बिल भरने में एक-दो दिन चूक भी जाएं, तो आपकी सेवाएं रुकती नहीं हैं। इतना ही नहीं इस प्लान में प्राइमरी नंबर को 75GB और हर अलग नंबर को 5GB डेटा मिलेगा। यह डेटा तब इस्तेमाल होगा, जब यूजर 4G इंटरनेट चलाएगा। वहीं प्लान में कोई लिंक्ड नंबर अगर 5GB डेटा पूरा खत्म कर दे, तो वह प्राइमरी नंबर को मिले 75GB डेटा में से इंटरनेट इस्तेमाल करना जारी रख सकेगा।

## न्यूज विंडो

### खाटूश्याम बाबा, शिव परिवार, सालासर बालाजी की होगी प्राण प्रतिष्ठा

**गंजबासौदा।** नवीन कृषि उपज मंडी स्थित भृगु संस्कृत विद्यालय में खाटूश्याम बाबा, शिव परिवार एवं सालासर बालाजी की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन 7 से 14 मई तक किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा तय करते हुए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 9 अप्रैल को नवीन कृषि उपज मंडी के पास स्थित भृगु संस्कृत विद्यालय में आयोजित की जाएगी, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। यज्ञ के आयोजक पंडित मुन्नालाल शास्त्री ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के साथ नवकुंडीय यज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भी होगा। नौलखी आश्रम के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज द्वारा संगीतमय कथा वाचन किया जाएगा। सभी धार्मिक कार्यक्रम नई कृषि मंडी क्षेत्र में ही संपन्न होंगे। बैठक में कथा के मुख्य यजमान के रूप में खुशाल सिंह रघुवंशी ने सहमति दी। वहीं नवकुंडीय यज्ञ के यजमान के रूप में फूलसिंह रघुवंशी कालापाठा, सनमान सिंह रघुवंशी बरखेड़ा, ओमकार रघुवंशी रिटेहरी, रामराज रघुवंशी रतनखेड़ी एवं उमाशंकर झा के नाम तय किए गए। कथा के एक दिवस के यजमान के रूप में रितुज एलिया सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भी सहमति प्रदान की।

### जिम्मेदार मौन: रेलवे ट्रैक पार करते यात्री, हादसे का बना रहता है खतरा

**गंजबासौदा।** रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की लापरवाही लगातार देखने को मिल रही है। प्लेटफॉर्म पर बने फुटओवर ब्रिज का उपयोग करने के बजाय कई यात्री सीधे रेलवे ट्रैक पार करते नजर आते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मंगलवार को सुबह स्थानीय रेलवे स्टेशन पर ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब कई यात्री अपने सामान के साथ ट्रैक पार करते दिखाई दिए। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जबकि यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे द्वारा फुटओवर ब्रिज और निर्धारित रास्तों की व्यवस्था की गई है। रेलवे प्रशासन द्वारा कई बार ट्रैक पार नहीं करने की अपील की जा चुकी है, इसके बावजूद लोग जल्दबाजी के कारण नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही पर सख्ती जरूरी है ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। वहीं रेलवे द्वारा बार बार स्पीकर के माध्यम से सूचित किया जाता है कि ट्रैक पार करना जानलेवा हो सकता है। यात्रियों को हमेशा फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करना चाहिए। इसके बाद भी कई यात्री जल्दबाजी के कारण जान जोखिम में डाल ट्रैक पर करते नजर आते है।

### नर्मदापुरम में मनाया भाजपा स्थापना दिवस, माया नारोलिया ने फहराया ध्वज

**नर्मदापुरम।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का स्थापना दिवस सोमवार को सांसद संवाद केंद्र, बूथ क्रमांक 110, नर्मदापुरम मंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने पार्टी ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर बधाई दी और संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। संबोधन में श्रीमती नारोलिया ने कहा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का सफर कार्यकर्ताओं के त्याग और तपस्या का परिणाम है। वक्ताओं ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास, अंत्योदय और जनसेवा की विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति निष्ठा का आह्वान किया।कार्यक्रम में जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, महेश सेन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक माहला, सुंदरम अग्रवाल, जोगिंदर सिंह, विशाल दीवान, पूर्व मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह,सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, मातृशक्ति और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन के प्रति समर्पण दोहराया।

### नगरपालिका परिषद के साधारण सम्मेलन में बजट प्रस्तुत

# 211 करोड़ से अधिक की राशि का बजट पास पार्किंग, हेलीपेड और पांच स्वागत द्वार बनेंगे

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

नगरपालिका परिषद के साधारण सम्मेलन में बजट प्रस्तुत किया गया। बजट में भाजपा सरकार की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने की सोच को बुलंद किया गया है। साधारण सम्मेलन में 211 करोड़ की अधिक की राशि का बजट के प्रस्ताव को हरी झंडी मिली। साधारण सम्मेलन में अतिथि के रूप में मप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया उपस्थिति रही. नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा सर्वाग्रीण विकास को व केंद्र और राज्य सरकारों की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए अपनी परिषद का बजट प्रस्तुत किया गया।

साधारण सम्मेलन में मुख्यमंत्री की घोषणानुसार 15 करोड़ की लागत से भोपाल तिराहे पर पार्किंग बनाने, हेलीपेड का निर्माण एवं नगर में 5 स्वागत द्वार बनाए जाने पर मुहर लगी। इसके साथ ही कोरीघाट नाले का पानी आजोनाइजेशन प्रक्रिया से शुद्ध करने का प्रस्ताव ध्वनि मत से पास हुआ। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि साधारण सम्मेलन में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर आज साधारण सम्मेलन संपन्न हुआ। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, नेताप्रतिपक्ष अनोखे राजोरिया, उपयंत्रीगण सहित सभापति, पार्षद और एडरमेन उपस्थित रहे।

साधारण सम्मेलन में अनुमानित बजट 2 अरब 11 करोड़ 4 लाख 74 हजार की राशि का प्रस्तुत किया गया। जिसमें 2 अरब 11 करोड़ 4 लाख 9 हजार रुपए की राशि व्यय होने का अनुमान है। यह बजट करीब 65 हजार रुपए की बचत का है। साधारण सम्मेलन में 20 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए जो सभी ध्वनिमत से पास हुए।

साधारण सम्मेलन में नर्मदा लोक फेस 2 के विस्तार के लिए 15 करोड़ की राशि भी शामिल है। इसके अलावा मुख्यमंत्री अधोसंरचना 4.0 के तहत अनेक विकास कार्य किए जाएंगे। जिसमें नेहरू पार्क का विस्तार, काम्प्लेक्स, ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरा निपटान के बाद पार्क का निर्माण किया जाएगा। बजट में अध्यात्मिकता का भी ध्यान रखा गया है जिसमें गीता भवन बनाए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली।

#### गंदगी करने पर प्रतिदिन लगेगा जुर्माना

साधारण सम्मेलन में सभी सभापतिगण, पार्षदगण और एडरमेलन द्वारा गंदगी करने वालों पर प्रतिदिन जुर्माना लगाए जाने के प्रस्ताव मेज थपथपाकर ध्वनि मत से पास किया गया। साथ ही कचरा गाड़ी में प्रतिदिन इसका प्रचार करने की बात कही गई।

#### एल्डरमेन का किया स्वागत

नगरपालिका के अमृता सभाकक्ष में आज एल्डरमेन राम नवलानी, राजेश अत्रे, ज्योति रैकवार, संतोष मीना, अर्चना वर्मा, हीरामणी भावसार का नपा के साधारण सम्मेलन से पूर्व स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक डॉ सीताशरण शर्मा द्वारा उन्हें मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने एल्डरमेन नियुक्त करने पर प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया एवं सभी मनोनीत पार्षदगणों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

#### पीआईसी की बैठक संपन्न

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि साधारण सम्मेलन से पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता में पीआईसी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, सभापतिगण उपस्थित रहे। पीआईसी में 15 विकास कार्य रखे गए थे। जिस पर सभापतिगणों द्वारा अपनी मुहर लगाई गई।

## पिता की मारपीट में चार साल के मासूम बेटे की मौत; आरोपी को भेजा जेल

**छतरपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले के बड़ा मलहरा अनुभाग के ग्राम ढाड़ोरा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां घरेलू विवाद और शराब के नशे में की गई मारपीट एक मासूम की मौत का कारण बन गई। आरोपी पिता ने लाठी से वार किया, जिसकी चपेट में आकर उसके चार वर्षीय बेटे यशवंत उर्फ यीशु की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, बीते 25 मार्च को लखन सिंह घोषी ने नशे की हालत में अपनी पत्नी सहोदर और बेटे के साथ मारपीट की। इसी दौरान लाठी का वार मासूम यशवंत को लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तुरंत उसे इलाज के लिए बमनौरा अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने टीकमगढ़ रेफर किया। हालांकि, परिजन बच्चे को सीधे सागर मेडिकल कॉलेज ले गए। सागर में चार-पांच दिन इलाज हुआ। इसके बाद भी बच्चे की हालत में सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे भोपाल रेफर कर दिया। भोपाल में उपचार के दौरान बीते दिन मासूम ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। एसडीओपी बड़ा मलहरा रोहित अलावा के निर्देशन में थाना बमनौरा प्रभारी शिशिर तिवारी और रामटोरिया चौकी प्रभारी दौलत सिंह ने टीम के साथ जांच शुरू की।

## लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई: 7 हजार की रिश्वत लेते BEO ऑफिस का बाबू रंगे हाथों गिरफ्तार

**बड़वानी। दोपहर मेट्रो**

भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने सोमवार को बड़वानी जिले के राजपुर में एक कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 और लेखा शाखा प्रभारी प्रदीप मंडलोई को 7,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने एक सेवानिवृत्त शिक्षक से उनकी बहू की अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजी कार्यों और वेतन भुगतान के बदले पैसों की मांग की थी। राजपुर बीईओ कार्यालय (जनजातीय कार्य विभाग) में हुई इस कार्रवाई से पूरे प्रशासनिक महकमे में हडकंप मच गया है।

लोकायुक्त महानिदेशक योगेश देशमुख के निर्देशन में गठित टीम ने आरोपी को उस वक्त दबोचा जब वह आवेदक से रिश्वत की राशि स्वीकार कर रहा था। आरोपी प्रदीप मंडलोई खरगोन जिले के रायबीडपुरा का निवासी है। लोकायुक्त टीम ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। विभाग अब इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं और आरोपी के पुराने रिकॉर्ड की भी पड़ताल कर रहा है।

आवेदक बाबूलाल नरगांवे, जो माध्यमिक विद्यालय देवला से उच्च श्रेणी शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, ने इस भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाई। उनके पुत्र विशाल नरगांवे की मृत्यु के बाद उनकी पुत्रवधू को शाउमावि जुलवानिया में भृत्य के पद पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। आरोपी प्रदीप मंडलोई ने पुत्रवधू का प्रान (पीआरएएन) नंबर भोपाल से शीघ्र मंगवाने और उसके बाद वेतन निकलवाने के एवज में 8,000 रुपए की मांग की थी। अंततः सौदा 7,000 रुपए में तय हुआ, जिसे लेते हुए आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक (लोकायुक्त) राजेश सहाय ने तत्काल सत्यापन कराया। पुष्टि होते ही कार्यवाहक निरीक्षक सचिन पटेरिया के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इस टीम में विवेक मिश्रा, विजय कुमार, सतीश यादव, पवन पटोरिया, आदित्य भदौरिया और श्रीकृष्णा अहिरवार शामिल रहे। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से बीईओ कार्यालय के स्थापना कक्ष में दबिश देकर आरोपी को दबोच लिया।

## महाकाल मंदिर जाने वाले प्रमुख रास्ते पर देर शाम को गिरी तीन मंजिला बिल्डिंग

**उज्जैन। दोपहर मेट्रो**

उज्जैन के गेबी हनुमान क्षेत्र में देर शाम एक तीन मंजिला मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। घटना का वीडियो सामने आया है। यह मार्ग महाकाल मंदिर जाने वाला प्रमुख रास्ता है। समय रहते रहवासियों ने आवाजाही रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जिस जगह मकान गिरा, वहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोपाल मंदिर, शिप्रा नदी और महाकाल मंदिर की ओर जाते हैं। शाम से ही मकान झुक रहा था, यह देख लोगों ने रास्ता बंद करा दिया। यह बड़ी बात है कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

### भीकनगांव थाना क्षेत्र का मामला

## 80 साल की बीमार मां को कुल्हाड़ी से काट डाला, सेवा से ऊबकर बेटा बना जल्लाद

**खरगोन। दोपहर मेट्रो**

जिले के भीकनगांव थाना क्षेत्र में एक बेहद संवेदनशील और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने अपनी ही वृद्ध मां की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार 80 वर्षीय रामई बाई लंबे समय से बीमार थीं और चलने-फिरने में असमर्थ थीं। उनकी देखभाल की पूरी जिम्मेदारी उनके 55 वर्षीय बेटे विष्णु सावले पर थी। घटना शनिवार शाम की बताई जा रही है, जब घर में दोनों ही मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक विष्णु अपनी मां की लगातार सेवा और जिम्मेदारी से मानसिक रूप से परेशान था। इसी बीच उसने शराब के नशे में आकर घर में रखी कुल्हाड़ी उठाई और पलंग पर लेटी मां पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गर्दन पर कई वार होने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश भी की। उसने खून के निशान साफ करने के लिए शव पर पानी डाला और हथियार को छिपा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए। पूछताछ के दौरान पहले आरोपी ने गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि मां की हालत और लगातार देखभाल के दबाव से वह टूट चुका था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी मजदूरी करता है और शराब का आदी है। कुछ समय पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी घर छोड़कर चली गई थी। घर में वह अपने दो बच्चों के साथ रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

### मेट्रो एंकर

### मंडी में विवाद की मुख्य वजह गेहूं के भावों में अचानक आई गिरावट

## हजारों ट्रॉलियों की आवक और गेहूं के कम भाव मिलने पर किसान हुए बेकाबू

**गुना। दोपहर मेट्रो**

लंबी छुट्टियों के बाद सोमवार को खुली गुना कृषि उपज मंडी में हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब उपज की बंपर आवक और गेहूं के गिरते दामों ने किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया। अपनी मेहनत की फसल का वाजिब दाम न मिलने से आक्रोशित हजारों किसान सड़कों पर उतर आए और हनुमान चौराहे के पास एबी रोड पर चक्काजाम कर दिया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि पुलिस को प्रदर्शनकारी किसानों को खदेड़ना पड़ा, तब कहीं जाकर घंटों से बाधित यातायात सुचारू हो सका।

मंडी में विवाद की मुख्य वजह गेहूं के भावों में आई अचानक गिरावट रही। किसानों का आरोप है कि जो गेहूं शनिवार को 2600 से 3200 रुपये प्रति क्विंटल तक बिका था। सोमवार को व्यापारियों ने उसकी बोली महज 2200 से 2600 रुपये के बीच लगाना शुरू कर दी। करोंद निवासी किसान महादीप रघुवंशी सहित अन्य अन्नदाताओं का कहना था कि व्यापारी जानबूझकर सिंडिकेट बनाकर भाव गिरा रहे हैं। जब व्यापारियों ने 2000 रुपये के आधार मूल्य से बोली उठाना शुरू किया तो किसानों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने नीलामी रोककर हाईवे पर जाम लगा दिया।

चक्काजाम की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हाईवे पर ट्रॉलियों की मीलों लंबी कतारों और बढ़ते हंगामे को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब किसान सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए तो पुलिस ने सख्ती बरतते हुए उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर खदेड़ा और बलपूर्वक हटाया। इस कार्रवाई के दौरान अफरा-तफरी मच गई और कुछ किसानों ने पुलिस पर मारपीट के गंभीर आरोप भी लगाए. किसानों का कहना है कि उनकी समस्या सुनने के बजाय उन्हें अपराधियों की तरह खदेड़ा गया, जिससे उनमें भारी रोष है।

# जंगल में महुआ बीनते ग्रामीण, परंपरा-आजीविका और खतरे का संगम

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

क्षेत्र में अप्रैल माह के आगमन के साथ ही ग्रामीण जीवन में एक विशेष हलचल है। जंगलों और आसपास के इलाकों में लगे महुआ के पेड़ों के नीचे सुबह लगभग 4 बजे से ही ग्रामीणों की चहल-पहल शुरू हो जाती है। महुआ बिनना यहां की परंपरा और आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे और वृद्ध सभी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। प्रातःकालीन ठंडी हवा के बीच ग्रामीण परिवार समूहों में निकलकर महुआ के पेड़ों के नीचे गिरे फूलों को सावधानीपूर्वक एकत्रित करते हैं। यह कार्य केवल आर्थिक गतिविधि ही नहीं, बल्कि सामूहिक श्रम और पारिवारिक सहयोग का भी प्रतीक है। महुआ के फूलों को बीनने के बाद उन्हें साफ कर धूप में सुखाया जाता है, ताकि उनकी गुणवत्ता बनी रहे और लंबे समय तक उनका उपयोग किया जा सके। लेकिन उनकी शिक्षा पर हवा और पानी ने भी अपनी कुछ हद तक फेर दिया है हालांकि, जंगलों में महुआ बिनने के दौरान खतरे भी कम नहीं हैं। पानी और भोजन की तलाश में वन्य जीव इन क्षेत्रों में आते-जाते रहते हैं। इनमें भालू, बाघ और तेंदुआ जैसे खतरनाक वन्य प्राणी शामिल हैं, जिनसे ग्रामीणों को हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। अंधेरे या सुबह के समय इन वन्य जीवों से आमना-सामना होने की आशंका बनी रहती है, जिससे जान-माल का जोखिम भी बढ़ जाता है। इसके बावजूद, ग्रामीण पूरी सावधानी बरतते हुए समूह में कार्य करते हैं और एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। प्रशासन और वन विभाग द्वारा भी समय-समय पर सतर्कता बरतने और सुरक्षित तरीके अपनाने की सलाह दी जाती है। वन विभाग ग्रामीणों को यह भी निर्देश देता है कि वे जंगल में हमेशा समूह (टोलियों) में ही जाएं, सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वन्य जीव की उपस्थिति की जानकारी तुरंत साझा करें। साथ ही, जंगलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष रूप से बताया जाता है कि कोई भी व्यक्ति जंगल में आग न जलाए। आग लगने से न केवल महुआ और अन्य पेड़ों को नुकसान होता है, बल्कि पूरा वन क्षेत्र खतरे में पड़ सकता है, जिससे वन्य जीवों और मानव जीवन दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। महुआ बिनने की यह प्रक्रिया ग्रामीण जीवन की सादगी, मेहनत और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध को दर्शाती है। यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और उतनी ही प्रासंगिक है, जो आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूत बनाती है।

## न्यूज विंडो

### भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

**तेंदूखेड़ा/तारादेही।** भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा जबेरा के अंतर्गत तारादेही मंडल में किया गया, इस अवसर पर भाजपा मंडल तारादेही सहित क्षेत्र के सभी बूथों पर पार्टी का ध्वज फहराकर कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों, विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला तारादेही मंडल अध्यक्ष डॉ. मनोहर लोधी ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जो अपने कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के विश्वास के बल पर निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संजीव मिश्रा, जवाहर सिंह, मुकेश पटेल, रत्नेश कुर्मी, शक्ति केंद्र प्रभारी बलवंत सिंह, नारायण पटेल, भगत सिंह, अरविंद सिंह, शरण यादव, अशोक रजक, संदीप सिंह, धर्मेंद्र सिंह एवं पुरुषोत्तम यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### सरकारी पुस्तक मेले में अभिभावकों ने व्यवस्थाएं देख जताई नाराजगी

**नरसिंहपुर।** नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में सरकारी पुस्तक मेले में अव्यवस्था उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में प्रशासन द्वारा यह पुस्तक मेला आयोजित किया गया है, लेकिन इस मेले में अभिभावकों ने पुस्तकों के अभाव और कम छूट मिलने के आरोप लगाए। दूर-दराज से आए ग्रामीणों ने कहा कि पुस्तकों के नाम पर केवल कॉपियां बेची जा रही हैं। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने भी व्यवस्थाओं को जल्द ही दुरुस्त करने की बात कही है।

### डिंडौरी में ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क और जल संकट को लेकर किया प्रदर्शन

**डिंडौरी।** जिले में शहडोल-पंडरिया नेशनल हाईवे को ग्रामीणों ने जाम कर दिया है। चाड़ा पंचायत के सरपंच गोविंद बोरकर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क की कमी और पेयजल संकट के विरोध में यह प्रदर्शन किया है। बजाग एसडीएम अक्षय डिगरसे की समझाइश और मंगलवार को गांव में चौपाल लगाने के आश्वासन के बाद करीब 6 घंटे चला यह जाम समाप्त हुआ है।

### कार में बैठकर युवकों का खतरनाक स्टंट, पुलिस ने संज्ञान में ली हरकत

**छिंदवाड़ा।** छिंदवाड़ा शहर में सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए जान जोखिम में डालने का ट्रेंड बढ़ता ही जा रहा है। युवक खुलेआम यातायात नियमों का उल्लंघन कर 'रील' बना रहे हैं और इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नागपुर रोड स्थित इमलीखेड़ा अंडरब्रिज से सामने आया है। वायरल वीडियो में कार में सवार युवक सनरूफ से बाहर निकलकर और गेट पर लटककर खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं।इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि वाहन की पहचान कर ली गई है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

### वारदात में तीन महिलाएं भी शामिल, पुलिस ने 5 आरोपियों पर दर्ज किया प्रकरण

# धामनोद में महिला को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा, सामूहिक दुष्कर्म का किया प्रयास

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले के धामनोद में महिला को बंधकर बनाकर बेरहमी से मारपीट और सामुहिक दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है, आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें पीड़ित महिला भी बदहवास दिखाई दे रही है। महिला ने 5 पर लोगो पर बंधक बनाकर पीटने और सामुहिक दुष्कर्म की कोशिश के आरोप लगाए है। पुलिस ने मामले में पांचों पर एफआईआर दर्ज की है।

महिला ने बताया कि ग्राम कुन्दा में उसके खेत के पास असुबाई पति द्वारकिया का घर है जो अपने बेटों अमित और गोपाल के साथ जेसीबी मशीन से जमीन समतल करवा रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने महिला के घर के पीछे बनी बाउंड्री के खंभे को तोड़ दिया। जब महिला ने विरोध करने और समझाने पहुंची तो अमित, गोपाल और असुबाई ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में असुबाई की बेटियां अतिना और हेमा भी मौके पर पहुंच गईं और उन्होंने भी मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। आरोपियों ने मारपीट करते हुए घर के बाड़े तक दौड़ाया इस दौरान साड़ी खुल गई। इसी स्थिति का फायदा उठाकर, अमित ने बुरी नीयत से छेड़छाड़ करते हुए महिला के साथ अश्लील हरकत की और जान से मारने की धमकी भी दी, घटना की सूचना तत्काल डॉयल 100 को दी गई लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। अपने पति को पूरी घटना बताई और परिजनों के साथ धामनोद थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। धामनोद पुलिस ने महिला की शिकायत पर अमित पिता द्वारकिया, गोपाल पिता द्वारकिया, असुबाई पति द्वारकिया, अतिना और हेमा पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

### लंबे समय से जंगल में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश

# 21 जुआरियों से 6.45 लाख रुपए नकद, 11 कार, 22 बाइक, एक पिस्टल और चाकू जब्त

**सागर। दोपहर मेट्रो**

बहेरिया थाना क्षेत्र के रुसल्ला गांव के जंगल में लंबे समय से चल रहे एक जुआ फड़ पर पुलिस ने छापामारी कर 21 जुआरियों को पकड़ा। आरोपियों से 6 लाख 45 हज़ार रूपए नकद ज़ब्त किए साथ ही 22 बाइक, 11 कार, 21 मोबाइल और एक पिस्टल, चाकू बरामद किया गया है। जुआ फड़ पर सुरखी थाना प्रभारी के नेतृत्व में संयुक्त कार्रवाई की गई। ट्रेनी आईपीएस दीपांशु की टीम ने रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात 2 बजे फड़ पर दबिश दी। बताया जा रहा है कि जुआ फड़ पर सुरखी, बहेरिया और कर्रापुर, ढाना चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश दी। जांच में सामने आया कि जुआ फड़ का संचालन आरोपी अमित टिम्मा, आजाद व संदीप आदि पकड़े गए। उससे पिस्टल, जिंदा कारतूस, चाकू व ताश की गड्डियां बरामद किया है। बहेरिया थाना क्षेत्र जुआ व अवैध शराब के लिए चर्चा में आता रहा है। पहले भी पुलिस ने इस क्षेत्र में दबिश दी है लेकिन जुआरी पुलिस की दबिश के बाद स्थान बदल लेते थे। जिले भर से जुआरी यहां जुआ खेलने आते हैं. विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर थाना बहेरिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रुसल्ला के जंगल में बड़े स्तर पर अवैध जुआ संचालित होने की जानकारी प्राप्त हुई। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल योजनाबद्ध तरीके से थाना एवं क्षेत्र की दोनों चौकियों से संयुक्त पुलिस टीम गठित की गई। टीम में उप निरीक्षक मनीषा तिवारी, उप निरीक्षक सत्यव्रत धाकड़, प्र.आर. महेन्द्र प्रभाकर सहित अन्य पुलिस बल को शामिल किया गया तथा थाना सिविल लाइन से उप निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह को भी सहयोग हेतु साथ लिया गया। सुनियोजित तरीके से दबिश देते हुए पुलिस टीम द्वारा जुए के अड्डे पर रेड कार्यवाही की गई, जहां से 21 आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

# हरियाणा की कुख्यात मेवाती गैंग से जुड़े अंतरराज्यीय ठग को पकड़ा, 1.55 करोड़ रुपए और सोना जब्त

**जबलपुर। दोपहर मेट्रो**

जबलपुर पुलिस ने हरियाणा की कुख्यात मेवाती गैंग से जुड़े अंतरराज्यीय ठग पन्नालाल राठौर को पकड़ लिया है। बता दें कि 60 साल के इस बेहद शातिर शख्स ने न सिर्फ मध्य प्रदेश, बल्कि पश्चिम बंगाल, हरियाणा और दक्षिण भारत के कई राज्यों में नकली सोना दिखाकर करोड़ों की ठगी की है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी खासतौर पर डॉक्टरों को निशाना बनाता था। वह अपनी पत्नी को मरीज बनाकर क्लीनिक में भेजता और इलाज के दौरान भरोसा जीतकर शुद्ध सोना बताकर नकली गिन्नियां बेच देता था। आरोपी करीब 7 महीने पहले परिवार के साथ मध्य प्रदेश आया था। इस दौरान सागर, छिंदवाड़ा, जबलपुर और छतरपुर में वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस ने उसकी पत्नी और दो बेटों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1 करोड़ 55 लाख रुपए नकद, 84 ग्राम सोना और 11 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। अन्य साथियों की तलाश जारी है।

**मेट्रो एंकर**

### भारतीय किसान संघ ने घेरा कलेक्टर कार्यालय

# गेहूं खरीदी में देरी और ऋण के बोझ से अन्नदाता परेशान, पंजीयन तत्काल शुरू करने की मांग

**धार। दोपहर मेट्रो**

अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ, तो संघ उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

भारतीय किसान संघ ने ज्ञापन के माध्यम बताया कि गेहूं खरीदी की तारीख बार-बार आगे बढ़ाने से किसान आक्रोशित हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जहाँ सरकार किसानों आय दो गुना से आठ गुना तक बढ़ाने की बात कर रही कृषि कल्याण वर्ष मना रही है । सहकारी बैंकों की ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च थी, जबकि गेहूं की सरकारी खरीदी 10 अप्रैल से शुरू हो रही है। ऐसे में किसान पैसा कहां से जमा करें? समय सीमा न बढ़ने के कारण करीब 60 प्रतिशत किसान डिफॉल्टर हो गए हैं, जिससे उन पर 7 प्रतिशत ब्याज और 14 प्रतिशत दंड का अतिरिक्त भार आ गया है। संघ ने पराली जलाने पर किसानों के खिलाफ एफआईआर और अर्थदंड की कार्रवाई को देशद्रोही जैसा व्यवहार बताया। संगठन का कहना है कि जब तक सरकार निष्पादन का स्थाई हल नहीं निकालती, तब तक अन्नदाता पर कार्रवाई बंद की जाए। बंपर पैदावार के बावजूद बारदाने बोरों की कमी को शासन की अक्षमता बताया गया। संघ ने मांग की है कि 11 क्विंटल प्रति बीघा के मान से गेहूं की खरीदी की जाए और बड़े तौल कांटों का उपयोग अनिवार्य हो, ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी के लिए पंजीयन तत्काल शुरू करने की मांग भी की गई है। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री राजेंद्र शर्मा, प्रांत मंत्री महेश ठाकुर, प्रांत सदस्य मोहन पाटीदार, जिला अध्यक्ष यशवंत मुकाती और जिला मंत्री अमोल पाटीदार सहित राधेश्याम बडगोता, गोपाल पटेल, अशोक बनिया, मनोहर कामदार और शेखर चौधरी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। साथ ही धार तहसील अध्यक्ष वासुदेव सांखला, तिरला अध्यक्ष धर्मेंद्र पवार, मंत्री जितेंद्र पाटीदार, नालछा अध्यक्ष दरबार सिंह तंवर, मंत्री अखिलेश जायसवाल और बदनावर अध्यक्ष कालू सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे।

### सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हटे

# एशिया चैंपियनशिप में लक्ष्य और सिंधु पर होगा दारोमदार

**निंगबो, एजेंसी**

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है और अब इस प्रतियोगिता में भारत का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन और अनुभवी पीवी सिंधु पर टिका रहेगा। सात्विक अभी कंधे की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण इस स्टार भारतीय जोड़ी को टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा।

सात्विक और चिराग ने 2023 में इस प्रतियोगिता का खिताब जीता था। भारतीय कोच टैन किम हेर ने बताया, सात्विक को अभी भी कुछ दर्द है, इसलिए वे इस सप्ताह नहीं खेल पाएंगे। सात्विक के दाहिने कंधे में दर्द के कारण यह भारतीय जोड़ी स्विस ओपन में भी क्वार्टर फाइनल के मैच से भी हट गई थी। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत की निगाहें अब एकल खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी जिसका नेतृत्व लक्ष्य और सिंधु करेंगे। यह दोनों इस प्रतियोगिता में एकल में देश के खिताब के 61 साल से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की कोशिश करेंगे। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन दिनेश खन्ना एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 1965 में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुषों के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहने के बाद लक्ष्य उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

### ली चेउक के खिलाफ शुरू करेंगे अभियान लक्ष्य

अल्मोड़ा का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। महिला एकल में सिंधु यूरोपीय चरण में भाग नहीं ले पाने के बाद वापसी कर रही हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए इंग्लैंड जाते समय दुबई में फंस गई थीं, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने आराम करने के लिए स्विस ओपन में हिस्सा नहीं लिया और अब उनका पहला मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा।

#### यह भारतीय भी पेश करेंगे चुनौती

पुरुष एकल वर्ग में भी भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। कंधे की चोट से उबरकर वापसी कर रहे एचएस प्रणय का सामना क्वालीफायर से होगा, वहीं किदांबी श्रीकांत सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से भिड़ेंगे। यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का सामना चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। महिला एकल में सिंधु के अलावा जो अन्य भारतीय खिलाड़ी भाग ले रही हैं उनमें उन्नति हुडा का सामना थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग से, तन्वी शर्मा का सामना मलेशिया की के लेटशाना से और मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा।

## सिर्फ मेरी गलती, 7 हार के बाद इमोशनल हुए सीएसके कैप्टन

**नई दिल्ली।** चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली बड़ी हार के बाद पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। इस हार के साथ कप्तान के तौर पर उनकी लगातार सातवीं हार दर्ज हुई। चेन्नई सुपर किंग्स मुकाबले में लंबे समय तक बनी रही, लेकिन आखिरी ओवरों में टीम ने नियंत्रण खो दिया। अंतिम पांच ओवरों में 97 रन खर्च करने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3 विकेट पर 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। बाद में आरसीबी के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए सीएसके को 43 रन से हरा दिया। इस मुकाबले के बाद कप्तान गायकवाड़ ने कहा, अगर मैं थोड़ा और योगदान देता तो शायद नतीजा अलग हो सकता था। आज की हार पूरी तरह मेरी जिम्मेदारी है। इस हार के साथ गायकवाड़ उन भारतीय कप्तानों की अनचाही सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आईपीएल में लगातार सात मैच गंवाए हैं। इस सूची में विराट कोहली और युवराज सिंह पहले से मौजूद हैं।

### आईपीएल को पीछे छोड़ देगी पीएसएल!

## अब दिन में ही तारे देखने लगे पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) तेजी से विकसित हो रही है। आने वाले समय में यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को टक्कर देगी और दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बन सकती है।

नकवी ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब पीएसएल का 11वां सीजन अफगानिस्तान के साथ तनाव की वजह से सिर्फ दो वेन्यू पर खेला जा रहा है, जबकि आईपीएल का आयोजन बिना किसी भी रुकावट तय शेड्यूल के मुताबिक हो रहा है।

पीसीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में नकवी ने कहा कि पीएसएल में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी इसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और ग्रोथ को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पीएसएल अब निवेश के लिए सबसे आकर्षक मार्केट बन गया है। वह समय दूर नहीं जब पीएसएल दुनिया की नंबर वन लीग बन जाएगी। नकवी ने कहा कि पीएसएल 2026 के फ्रेंचाइजी से जुड़े प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी पाकिस्तान के क्रिकेट इकोसिस्टम में भरोसे की

मोहसिन नकवी ने बेशक भविष्य में पीएसएल के आईपीएल के समकक्ष आने की संभावना जताई है, लेकिन वास्तविकता में पीएसएल और आईपीएल में कोई तुलना नहीं है। पीएसएल में वही खिलाड़ी शामिल होते हैं जिन्हें आईपीएल का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता, कई खिलाड़ी पीएसएल का मिला हुआ कॉन्ट्रैक्ट भी छोड़कर आईपीएल में आ जाते हैं। इस साल दासुन शनाका, ब्लेसिंग मुजरबानी ने ऐसा ही किया है। इसकी वजह आईपीएल में मिलने वाला पैसा है जो आईपीएल से कई गुणा ज्यादा है। इसके अलावा आईपीएल क्रिकेट के स्तर में, फैन इंगेजमेंट में, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के मामले में, प्रसारण क्वालिटी के मामले में पीएसएल से बहुत आगे है।

#### आईपीएल का सालाना राजस्व 1 बिलियन डॉलर से अधिक

आईपीएल के मीडिया राइट्स की कीमत लगभग 6 बिलियन डॉलर है, जबकि पीएसएल की कीमत लगभग 93 मिलियन डॉलर है। आईपीएल का सालाना राजस्व 1 बिलियन डॉलर से अधिक है, जबकि पीएसएल का करीब 60 मिलियन डॉलर है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन की हालिया रैंकिंग में पीएसएल मौजूदा समय में खेली जाने वाली लीग में 48 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि आईपीएल 62.2 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। द हंड्रेड (75.2) और एसए 20 (68) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

## मेरे लिए दर्दनाक था, अश्विन ने बताई IPL से संन्यास की वजह, CSK को लेकर खोले राज

**नई दिल्ली, एजेंसी**

टीम इंडिया के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए और खेल सकते थे, लेकिन उन्होंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पास आगे खेलने की ÷इच्छा÷ नहीं बची था।

अश्विन ने पिछले साल अगस्त में आईपीएल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स के खराब प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि वह उस सीजन के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते क्योंकि वह उनके लिए मानसिक रूप से काफी परेशान करने वाला दौर था। पांच बार की चैंपियन सीएसके आईपीएल 2025 में आखिरी स्थान पर रही थी और आईपीएल 2026 में भी टीम अपने शुरुआती तीनों मुकाबले हार चुकी है।

#### सुनाया आईपीएल से संन्यास का किस्सा

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, 卐मैं मैच को एक न्यूट्रल नजरिए से देख रहा हूं, लेकिन याद रखिए कि मैंने हाल ही में सीएसके के साथ एक निराशाजनक सीजन बिताया है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी काफी निराशाजनक सीजन था। सच कहूं तो मेरे मन में था कि मैं और खेल सकता था, लेकिन भावनात्मक रूप से मेरे पास खेलने का बैंडविड्थ नहीं बचा था। उन्होंने आगे कहा, मैं उस दौर में वापस नहीं जाना चाहता, क्योंकि वह मानसिक रूप से परेशान करने वाला था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता। हमने थोड़ी चर्चा की, फिर मैंने कहा कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की थी और अपने होमटाउन में ही खत्म कर रहा हूं, यह ठीक है। मैंने खुद संन्यास लेने का फैसला किया ताकि मैनेजमेंट के सामने मुझे रिटेन करने या रिलीज करने का सिरदर्द न हो। अगर मैं चला जाता हूं तो उनके 10 करोड़ रुपये भी बच जाएंगे। मैं अब भी निराश हूं। मुझे उम्मीदें थीं, मुझे भरोसा था।

### एमआई के कप्तान हार्दिक पंड्या हुए फिट, आज उतरेंगे मैदान में

## आरआर की आक्रामकता मुंबई के लिए चुनौती

**गुवाहाटी, एजेंसी**

पिछले मैच में हार के बाद वापसी के लिए प्रतिबद्ध मुंबई इंडियंस को राजस्थान के अक्रामक खेल की चुनौती से पार पाना होगा। हालांकि मुंबई को उम्मीद होगी कि कप्तान हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट होकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल के मैच में खेलेंगे। हार्दिक अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें उनकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

हार्दिक की अनुपस्थिति के कारण टीम संयोजन में भी फेरबदल करना पड़ा। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए दीपक चाहर ने सधी हुई गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश को लाने का फैसला उल्टा पड़ गया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने जमकर रन लुटाए। इसके बाद हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे कि उनकी वापसी की संभावना मजबूत बन गई है। पहले मैच में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाले जसप्रीत बुमराह किफायती तो रहे

हैं लेकिन इस सत्र में अभी तक विकेट नहीं ले पाए हैं। गेंदबाजों में तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। बिश्नोई दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं। वहीं देशपांडे ने टाइटन्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए डेथ ओवरों के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया था। मुंबई की टीम अंक तालिका में अभी छठे स्थान पर है जबकि राजस्थान दूसरे स्थान पर है।

#### सैंटनर ने चयन को सही साबित किया

स्पिन विभाग में मिचेल सैंटनर ने अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह ग़ज़नफ़र की जगह टीम में अपने चयन को सही साबित किया और संभावना है कि वह अपना स्थान बरकरार रखेंगे। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को हालांकि राजस्थान के शीर्ष क्रम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। राजस्थान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान की टीम ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है और मुंबई को उस सतर्क रहने की जरूरत होगी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने लय कायम रखी है। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्व कौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने अब तक अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है, विशेषपर डेथ ओवरों में लिए गए उनके रणनीतिक फैसलों से जिसके कारण रॉयल्स ने गुजरात टाइटन्स पर रोमांचक जीत दर्ज की थी।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

### बिकनी में मालती चाहर की वायरल तस्वीरें चर्चा में

## मिस्ट्री गर्ल से कैसे बन गई सोशल मीडिया की सनसनी?

आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच मालती चाहर सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आ गई हैं। भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और राहुल चाहर की बहन मालती की हालिया तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। झरने (वॉटरफॉल) के नीचे शूट की गई उनकी बिकिनी तस्वीरों ने इंस्टाग्राम और गूगल डिस्कवर पर जबरदस्त ट्रैक्शन हासिल किया है। यही वजह है कि वह आईपीएल के दौरान सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली पर्सनैलिटीज में शामिल हो गई हैं।

**वॉटरफॉल शूट ने खींचा ध्यान-** मालती चाहर का यह लेटेस्ट फोटोशूट नेचर और ग्लैमर का बेहतरीन कॉम्बिनेशन पेश करता है। झरने के नीचे किए गए इस शूट ने विजुअल अपील को कई गुना बढ़ा दिया, जिससे तस्वीरें तेजी से शेयर होने लगीं। मालती ने इस शूट में मौव पिंक रंग की बिकनी पहनी, जो इस समय सेलिब्रिटी फैशन ट्रेंड में काफी लोकप्रिय है। सॉफ्ट कलर्स और बोल्ड स्टाइलिंग का यह कॉम्बिनेशन युवाओं के बीच तेजी से पसंद किया जा रहा है। मालती ने फोटो कैप्शन में लिखा, झरने मुझे याद दिलाते हैं कि बह जाने देना कितना खूबसूरत होता है।

#### कॉन्फिडेंस और बॉडी पॉजिटिविटी

मालती की तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास साफ नजर आता है। उनका नेचुरल और अनफिल्टर्ड स्टाइल युवाओं के बीच बॉडी पॉजिटिविटी का मजबूत संदेश देता है। आज के दौर में दर्शक ऐसे कंटेंट को ज्यादा पसंद करते हैं जो रियल और रिलेटेबल हो और मालती उसी ट्रेंड पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। मालती चाहर का टोंड फिजीक भी चर्चा का बड़ा कारण है। उनका एथलेटिक बैकग्राउंड उन्हें सिर्फ ग्लैमरस ही नहीं, बल्कि फिटनेस कैटेगरी में भी पॉपुलर बना रहा है। मालती पहली बार आईपीएल 2018 के दौरान मिस्ट्री गर्ल के रूप में वायरल हुई थीं। उस समय कैमरे में कैद उनकी तस्वीरों ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। आज भी वही पहचान उनकी डिजिटल लोकप्रियता को बनाए रखने में मदद कर रही है।

## बीच में खाना छोड़कर भागे थे संजू बाबा, जानें सुनील दत्त की सख्ती का वो अनसुना किस्सा

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त अपने दमदार अभिनय को लेकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखते हैं। धुरंधर फिल्म की सफलता के बाद अब संजय दत्त जल्द ही फिल्म आखिरी सवाल में नजर आने वाले हैं। सेलिब्रिटी टॉक शो जीना इसी का नाम है के एक खास एपिसोड में संजय दत्त ने अपने पिता और मशहूर अभिनेता सुनील दत्त की सख्ती के बारे में दिलचस्प किस्सा सुनाया। संजय ने बताया था कि उनके पिताजी सेट पर बहुत सख्त हुआ करते थे।

संजय ने बताया था, पिताजी अगर कुछ कह देते थे, तो कोई भी उनसे यह नहीं पूछ सकता था कि अगर मैं इसे दूसरे तरीके से करूं तो कैसा रहेगा? वे सेट पर पूरी तरह से सख्त थे। उन्होंने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई एक घटना याद करते हुए बताया था, पिताजी ने शॉट पहले से ही तैयार कर लिया था तभी उनके असिस्टेंट मेरे पास आए और बोले, जाओ और अपना खाना खा लो। मैंने उनसे कहा कि अभी तो ब्रेक नहीं हुआ है, लेकिन असिस्टेंट ने कहा, नहीं, अब ब्रेक है, जाओ खाना खा लो।

अभिनेता ने बताया कि वे रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे कि अचानक कुछ लोग दौड़ते हुए आए और बोले, दत्त

साहब बहुत जोर से चिल्ला रहे हैं। अभिनेता संजय दत्त ने बताया था, जब मैं दौड़कर सेट पर वापस पहुंचा, तो पिता जी ने मुझे खूब डांटा। वे मुझसे गुस्से में कहते, तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? पूरी यूनिट यहां खड़ी है और तुम जाकर खाना खाने चले गए? क्या तुम अभी से स्टार बन गए हो? बाद में सुनील दत्त ने अपने असिस्टेंट से पूछा, क्या तुमने संजय से जाकर खाना खाने के लिए कहा था? लेकिन असिस्टेंट ने साफ मना कर दिया और कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था।

### मेट्रो बाजार

## अमेरिका से युद्ध के बीच ईरान ने इंटरनेट शटडाउन में बनाया रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** अमेरिका, इजरायल से युद्ध के बीच ईरान में लगा इंटरनेट शटडाउन दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा ब्लैकआउट बन गया है। यह जानकारी डिजिटल मॉनिटरिंग ग्रुप नेटब्लॉक्स ने रविवार को दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की एक पोस्ट में नेटब्लॉक्स ने कहा कि ईरान में इंटरनेट बीते 37 दिनों या पिछले 864 घंटों से बंद हैं और यह पहले के सभी ब्लैकआउट की अवधि और पैमाने में सबसे बड़ा है। नेटब्लॉक्स ने कहा, ईरान में इंटरनेट बंद होना अब तक किसी भी देश में दर्ज सबसे लंबा राष्ट्रीय स्तर का इंटरनेट शटडाउन है, जो 864 घंटे बाद लगातार 37वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इस तरह की अन्य सभी घटनाओं से कहीं अधिक बड़ा है। 28 फरवरी को शुरू हुए इस इंटरनेट शटडाउन ने आम जनता को वैश्विक इंटरनेट से पूरी तरह से अलग कर दिया है, जबकि अधिकारी एकतरफा माध्यम से चुनिंदा सूचनाएं पहुंचा रहे हैं। नेटब्लॉक्स ने कहा कि म्यांमार, सूडान और तिग्रे जैसे अन्य देशों को भले ही रुक-रुक कर या क्षेत्र-विशिष्ट इंटरनेट बंद का सामना करना पड़ा है, लेकिन मानक इंटरनेट पहुंच होने के बावजूद किसी भी देश में इतने लंबे समय तक पूर्ण राष्ट्रीय स्तर पर इंटरनेट बंद नहीं हुआ है। इसके विपरीत, उत्तर कोरिया जैसे देश, जो कभी भी वैश्विक इंटरनेट से नहीं जुड़े, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग हैं और वे शुरू से ही ऑनलाइन नहीं थे। यह ब्लैकआउट अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरानी ठिकानों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के साथ हुआ है। इसके जवाब में, तेहरान ने पड़ोसी खाड़ी देशों में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं।

## वैश्विक अस्थिरता के बीच भी मजबूत भारतीय इकोनॉमी, वित्त वर्ष 27 में 6.7% ग्रोथ का अनुमान

**नई दिल्ली।** वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी रहेगी और वित्त वर्ष 27 में जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम एशिया में तनाव से कुछ चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था का आधार लगातार मजबूत है और ग्रोथ को सपोर्ट कर रहा है। विश्लेषण में कहा गया कि पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत पर प्रभाव मुख्य रूप से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के रूप में महसूस किया जाएगा, जो मुद्रास्फीति, राजकोषीय संतुलन और बाह्य खातों को प्रभावित करता है।

बेस केस सिनेरियो में लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल की औसत कच्चे तेल की कीमतों को मानते हुए, विकास दर पहले के 7.2 प्रतिशत के अनुमानों से थोड़ी कम हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर नियंत्रण में रह सकती है और खुदरा महंगाई दर 4.5 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत के बीच में रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, केयरएज यह मानकर चला जा रहा है कि सरकार वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों का घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला प्रभाव सीमित रखेगी। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि से समय के साथ महंगाई का दबाव कुछ हद तक बढ़ सकता है। राजकोषीय मोर्चे पर, पेट्रोलियम उत्पादों पर संभावित उत्पाद शुल्क कटौती, अधिक सब्सिडी आवश्यकताओं और कर राजस्व में मामूली कमी के कारण सरकार को वित्तीय बोझ में मामूली वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है। इस प्रभाव का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 0.5 प्रतिशत के आसपास है, जो भारत के सार्वजनिक वित्त के व्यापक संदर्भ में प्रबंधनीय है।

## कई गांवों का कटा संपर्क, 4 करोड़ से हो रहा था निर्माण

# हिमाचल के चंबा में लैंडस्लाइड से निर्माणाधीन सिंयूर पुल टूटा

**चंबा।** हिमाचल प्रदेश के चंबा में आज सुबह लैंडस्लाइड से एक निर्माणाधीन पुल टूट गया। भरमौर और होली क्षेत्र को जोड़ने वाला सिंयूर पुल रावी नदी में समा गया। इसके बाद क्षेत्र के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस पुल का निर्माण पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा था। लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस पुल के दोनों छोर पर स्टील की रैलिंग का काम पूरा हुआ था। अगले कुछ महीनों में इस पर वाहनों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद थी। इससे पहले ही आज करीब आठ बजे पहाड़ी से भारी मलबा और चट्टानें पुल पर गिर गईं। इससे पुल का एक कोना नदी में समा गया। लैंडस्लाइड के बाद जोर-जोर से आवाजें सुनाई दीं और 200 फीट ऊंचाई तक धूल के गुबार उड़े।

इस पुल का निर्माण बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए किया जा रहा था। इसके साथ ही एक अन्य लकड़ी का पुल है, जिस पर केवल छोटे वाहनों की आवाजाही होती है। दुर्गम क्षेत्र भरमौर में खड़ामुख-होली मार्ग बंद होने पर इस पुल का वैकल्पिक मार्ग के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। बीते मानसून सीजन में खड़ामुख-होली सड़क बंद होने के बाद एक महीने तक लकड़ी के पुल से ट्रैफिक चला था। मगर अब पुल बंद होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और विभागीय अधिकारियों से तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

## मणिपुर: तेल के 3 टैंकर में लगाई आग

# कुकी उग्रवादियों ने घर पर फेंका बम मां के साथ सो रहे दो बच्चे जिंदा जले

**इम्फाल, एजेंसी**

मणिपुर के मइरांग क्षेत्र में हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। बीती रात कुकी उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंक दिया। इससे घर में भीषण आग लग गई। घर में मां के साथ सो रहे दो बच्चे जिंदा जलकर मर गए। आग में घर जलकर पूरी तरह खाक हो गया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

घटना देर रात करीब एक बजे हुई, जब मोइरांग ट्रोंग्लाओबी में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा फेंका गया बम एक घर पर गिरा। इससे घर में आग लग गई। इससे पांच वर्षीय लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। घर के अंदर बम फटने के समय दोनों बच्चे मां के साथ सो रहे थे। वहीं बच्चों की मां झुलस गई।

**गुस्साए लोगों ने तेल के टैंकरों में लगाई आग:** बम हमले में दो बच्चों की मौत के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने हिंसक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान गुस्साए लोगों ने तेल से भरे तीन टैंकरों में आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह कुकी उग्रवादियों की ओर से गोलीबारी शुरू हुई, जो रात 10:30 बजे के बाद और अधिक तीव्र हो गई। देर रात स्थिति और बिगड़ गई, जब सिनाकैथी गांव की दिशा में 20 से अधिक बम फेंके गए।

### पुलिस चौकी को भी बनाया निशाना

प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग थाने के सामने टायर जलाए और एक अस्थायी पुलिस चौकी को भी नुकसान पहुंचाया। अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इलाके में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

### इलाके में भय का माहौल

लगातार हो रहे इन हमलों से क्षेत्र में भय का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आम नागरिकों की जान और संपति दोनों ही गंभीर खतरे में हैं। फिलहाल इलाके में तनाव बना हुआ है और स्थिति बेहद संवेदनशील बताई जा रही है। सुरक्षा बल हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

## मस्जिद निर्माण के चलते मुर्शिदाबाद में चुनावी लड़ाई हुई रोचक

# टीएमसी को लग सकता है बड़ा झटका

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र (भरतपुर, रेगिनगर और बेलडांगा) 2026 के विधानसभा चुनाव का सबसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से गर्म क्षेत्र बन गए हैं। इसका कारण है रेगिनगर में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद जैसी मस्जिद का निर्माण, जिसने मतदाताओं की निष्ठा को बदलने, धार्मिक पहचान को सशक्त करने और अल्पसंख्यक वोटों को विभाजित करने की संभावनाओं को जन्म दिया है।

**मुर्शिदाबाद का माहौल अब चुनावी केंद्र:** इस मस्जिद की नींव दिसंबर 2025 में टीएमसी के निलंबित विधायक और अब अजयूप पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने रखी थी। यह कदम उनके टीएमसी से निष्कासन के बाद एक स्थानीय प्रतिरोध के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन अब यह मुर्शिदाबाद के चुनावी माहौल का भावनात्मक केंद्र बन चुका है।

पहले ईद की नमाज में मार्च में यहां मुर्शिदाबाद, नदिया और उत्तर 24 परगना से भारी संख्या में लोग जुटे। हर रोज ईंट और सीमेंट के ट्रक आते हैं, दान पेटियां भरी रहती हैं और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहे हैं। निर्माणाधीन मस्जिद अब केवल इमारत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए राजनीतिक प्रतीक बन गई है।

**भाजपा का नजरिया: तुष्टिकरण की राजनीति का उदाहरण:** भाजपा इसे हिंदू वोट एकजुट करने के लिए राजनीतिक रूप से अमूल्य अवसर मान रही है। पार्टी नेताओं का कहना है 'बाबरी के नाम पर हर ईंट हिंदू मतदाताओं को जोड़ने में मदद कर रही है। लोग इसे सियासी अपीलमेंट के उदाहरण के रूप में देख रहे हैं।'

**TMC की चिंता: मुस्लिम वोटों का विभाजन:** टीएमसी के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हुमायूं कबीर अमीन और असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन करके मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में खींच सकते हैं। टीएमसी नेता कहते हैं 'हुमायूं चुनाव से पहले भावनात्मक मुद्दा बना रहे हैं, लेकिन लोग जानते हैं कि कठिन समय में कौन उनके साथ खड़ा था। विकास और कल्याण ही चुनाव तय करेगा।'

### मुर्शिदाबाद में लगभग 70% आबादी मुस्लिम

मुर्शिदाबाद, जहां लगभग 70 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, टीएमसी का अल्पसंख्यक समर्थन का मजबूत आधार रहा है। 2021 में राज्य की 85 मुस्लिम बहुल सीटों में से टीएमसी ने 75 जीत हासिल की थी। लेकिन अब AJUP-AIMIM गठबंधन बाबरी मस्जिद मुद्दे को मुस्लिम मतदाताओं, खासकर युवा वर्ग में राजनीतिक आत्म-सम्मान के प्रतीक के रूप में बदलने की कोशिश कर रहा है।

### कबीर की नई पार्टी का लॉन्चपैड

रेगिनगर सीट इस प्रयोग का केंद्र है। यह पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्र है, जहां लगभग 65 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। कबीर का दावा है यह केवल मस्जिद का मामला नहीं है, बल्कि आत्म-सम्मान और राजनीतिक गरिमा का मुद्दा है। बंगाल के मुसलमान अब अपनी आवाज चाहते हैं, केवल दिखावटी प्रतिनिधित्व नहीं। यदि मुस्लिम वोटों का एक हिस्सा टीएमसी से छिटकी ओर चला गया, तो भरतपुर, बेलडांगा और रेगिनगर में चुनावी गणित बदल सकता है। भाजपा को उम्मीद है कि बाबरी मस्जिद मुद्दा अधिक प्रमुख होगा, तो हिंदू बहुल क्षेत्रों में वोट एकजुट होंगे।

### त्रि-कोणीय मुकाबला

विश्लेषक बिस्वनाथ चक्रवर्ती कहते हैं 'यह तीन सीटों का इलाका अब 'प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता' का प्रयोगशाला बन गया है। कबीर मुस्लिम पहचान को राजनीतिक पूंजी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भाजपा इसे हिंदू एकीकरण के लिए उपयोग कर रही है। टीएमसी दोनों के बीच फंसी हुई है।'

## पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट से 91 लाख मतदाताओं की छंटनी, ईसी ने पहली बार जिलेवार लिस्ट जारी की

*चुनाव आयोग ने पहली बार जिलावार नई वोटर लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट से 91 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए हैं। पहली बार इलेक्शन कमीशन ने जिला वार मतदाताओं की लिस्ट जारी की है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग ने बताया है कि कुल 6,006,675 मतदाता जांच के घेरे में थे, जिनमें से 2,716,393 नाम हटा दिए गए हैं। बता दें कि 28 फरवरी को प्रकाशित शुरुआती अंतिम सूची में 6,366,952 लोगों के नाम बाहर काट दिए गए थे। अबतक की सूची के मुताबिक हटाए गए नामों की कुल संख्या अब 90 लाख से अधिक (कुल 9,083,345) हो गई है। हालांकि चुनाव आयोग ने बताया कि जांच के अधीन 6,006,675 मतदाताओं में से 5,984,512 व्यक्तियों का डिटेल प्रकाशित कर दिया गया है। बाकी बचे 22,163 मतदाताओं के मामलों को सुलझा लिया गया है, लेकिन अभी तक उन पर डिजिटल हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। यह प्रक्रिया पूरी होते ही, हटाए गए मतदाताओं की सूची में कुछ और नाम जुड़ सकते हैं।*

## असम, केरल और पुदुचेरी में आज थम जाएगा चुनाव प्रचार

**नई दिल्ली।** असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान आज शाम समाप्त हो जाएगा। असम की 126 सीटों, केरल की 140 सीटों और पुदुचेरी की 30 सीटों के लिए वोटिंग गुरुवार को एक ही चरण में होगी। केरल में 1.32 करोड़ पुरुषों, 1.39 करोड़ महिलाओं और 273 तृतीय लिंग सहित कुल 2.71 करोड़ मतदाता तथा 2.42 लाख से अधिक प्रवासी मतदाता मताधिकार का इस्तेमाल करने के पात्र हैं। यह चुनाव 140 सीट के लिए मैदान में उतरे 890 उम्मीदवार के भाग्य का फैसला करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में NDA के उम्मीदवारों के समर्थन में कई रैलियां और रोड शो किए। राज्य की राजनीति पर लंबे समय से कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) और माकपा नीत एलडीएफ का दबदबा रहा है। इस महत्वपूर्ण चुनाव के लिए उलटी गिनती शुरू होने के बीच गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं और कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को राज्य में प्रचार किया। सत्तारूढ़ एलडीएफ के प्रचार अभियान का नेतृत्व माकपा के वरिष्ठ नेता एवं मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने किया।

**पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु में आज नामांकन पत्रों की जांच:** वहीं, आज तमिलनाडु में एक चरण के मतदान और पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। दोनों राज्यों में नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया कल खत्म हो गई, जबकि उम्मीदवार गुरुवार तक अपने नाम वापस ले सकते हैं।

# चीन ने हवाई क्षेत्र पर लगाया प्रतिबंध

**बीजिंग, एजेंसी**

चीन ने अपनी समुद्री तट के पास हवाई क्षेत्र को 40 दिनों के लिए बंद करने का ऐलान किया है। इस फैसले का कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, यह प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र शंघाई के उत्तर और दक्षिण दोनों तरफ के इलाकों को कवर करता है। यह क्षेत्र येलो सी से लेकर ईस्ट चाइना सी तक फैला हुआ है। यह बंदी 6 मई तक चलेगी।

### सैन्य अभ्यास की घोषणा नहीं

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने इस क्षेत्र में किसी भी सैन्य अभ्यास की घोषणा नहीं की है। इस प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र की कोई ऊपरी सीमा नहीं बताई गई है। इसे SFC-UNL नाम दिया गया है। यह जगह ताइवान से सैकड़ों मील दूर है।

**चीन ने नहीं दिया स्पष्टीकरण:** स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के SeaLight प्रोजेक्ट के डायरेक्टर रे पॉवेल ने कहा कि इस बात को खास बनाने वाली दो चीजें हैं। 40 दिनों की बहुत लंबी अवधि और कोई घोषित सैन्य अभ्यास ना होना। उन्होंने कहा कि यह किसी एक बार के अभ्यास का संकेत नहीं है, बल्कि लगातार सैन्य तैयारी वाली स्थिति का संकेत है।

चीन ने इसकी कोई जरूरत नहीं समझी कि वह इसका स्पष्टीकरण दे।

ताइवान के सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि चीन अपनी सैन्य उपस्थिति को क्षेत्र में बढ़ा रहा है। खासकर इस समय जब अमेरिका ईरान के साथ तनाव में व्यस्त है। ताइवान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि ये बंद किए गए हवाई क्षेत्र 'साफ तौर पर जापान को निशाना बनाते हैं।' यह अमेरिकी सेना को रोकने और उसकी ताकत कम करने की कोशिश लगती है।

## अर्धकुंभ मेला: हरिद्वार में मांस की दुकानें की जाएंगी बाहर, सराय गांव में बनाई गई 57 दुकानें

**हरिद्वार।** हरिद्वार में अगले साल होने वाले अर्धकुंभ मेले से पहले बड़ा ऐलान किया गया है। हरिद्वार नगर निगम ने शहरी क्षेत्रों से सभी कच्चे मांस की दुकानों को हटाने का निर्णय लिया है। सोमवार को हुई नगर निगम की बोर्ड बैठक में यह निर्णय बहुमत से पारित किया गया।

हरिद्वार की महापौर किरण जायसवाल ने बताया कि शहर में वर्तमान में चल रही सभी मांस की दुकानें, चाहे लाइसेंस प्राप्त हों या अवैध हटा दी जाएंगी। इन मांस की दुकानों को पास के सराय गांव में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने सराय गांव में 57 दुकानें बनवाई हैं।

**हरिद्वार एक धार्मिक तीर्थ स्थल:** मेयर ने कहा कि हरिद्वार एक प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थल है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यह निर्णय उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए लिया गया है। नगर निगम ने नगरपालिका उपनियमों में संशोधन का प्रस्ताव भी पारित किया है।

## प्रवासी मजदूरों को बड़ी राहत: सरकार ने किया पांच किलो वाले सिलेंडरों का कोटा दोगुना

**नई दिल्ली।** देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच सरकार ने प्रवासी मजदूरों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने अपना गांव छोड़कर शहरों में जाकर कमाई करने वाले मजदूरों के लिए 5 किलो वाले एलपीजी सिलिंडर का कोटा डबल कर दिया है। सरकार ने कहा है कि रोजाना सप्लाई किए जाने वाले 5 किलो के सिलेंडरों की संख्या अब दोगुनी कर दी जाएगी। 2-3 मार्च 2026 को मजदूरों के लिए जितने सिलेंडर एक दिन में सप्लाई करने का लक्ष्य रखा गया था, अब उससे दोगुना सिलेंडर भेजे जाएंगे।

पेज 1 से जारी....

## एनटीपीसी सीपत में शिक्षा और रोजगार ही नहीं 'हमर धरोहर' के तहत विरासत का संरक्षण भी

सुरोजित सिन्हा ने दावा किया कि 'बालिका सशक्तिकरण' के अभियान के जरिए अब तक 525 बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया है। उनमें से 38 मेधावी बालिकाओं को बाल भारती पब्लिक स्कूल में निःशुल्क पढ़ाई कराई करायी जा रही है। कक्षा 5 उत्तीर्ण 10-12 वर्ष की छात्राओं को एक माह का पूर्ण आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें शिक्षा, योग, खेल, नृत्य, कराटे, पब्लिक स्पीकिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से उनका सर्वांगीण विकास किया जाता है। प्रति वर्ष लगभग 10 प्रतिशत मेधावी छात्राओं का चयन कर कक्षा 12 तक की निःशुल्क शिक्षा सीपत टाउनशिप स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल में दी जाती है। स्मार्ट क्लासरूम एवं डिजिटल शिक्षण संसाधनों की सुविधा उपलब्ध है। स्वयं सहायता समूहों को सिलाई, कढ़ाई एवं मसाला निर्माण के प्रशिक्षण के साथ उपकरण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। युवाओं के लिए मोबाइल रिपेयरिंग, हाई-प्रेशर वेल्डिंग एवं इंजेक्शन मोल्डिंग जैसे कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बिलासपुर स्थित कुमार साहब स्वर्गीय दिलीप सिंह जुदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल को 5.58 करोड़ रुपये की सहायता उन्नत चिकित्सा उपकरणों के लिए दी गई। इसके अतिरिक्त CIMS मेडिकल कॉलेज को भी 2.92 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए इस परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिवर्ष लगभग 18 हजार लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं देने के साथ घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच, उपचार तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के साथ संक्रामक बीमारियों एवं एनीमिया की रोकथाम के जागरूकता कार्यक्रम संचालित होते हैं।

'हमर धरोहर' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, ताइक्वांडो एवं अन्य खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी सीपत ने छत्तीसगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन के साथ मिलकर फुटबॉल बॉयज फुटबॉल को एडॉप्ट कर इसके विकास एवं प्रोत्साहन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

## मेट्रो एंकर

## मप्र का यह गांव हुआ गाली मुक्त! गलती से फिसल गई जुबान तो 'ऑन द स्पॉट' एक्शन

# गाली देने पर 500 रु. जुर्माना, 1 घंटे करनी पड़ती है गांव की सफाई

**बुरहानपुर, एजेंसी**

बुरहानपुर का बोरसर गांव इस बार किसी त्योहार से नहीं, संस्कारों की सुनामी से सुर्खियों में है! एमपी का पहला गाली-मुक्त मॉडल गांव बनने के बाद यहां की हवा में अब गालियां नहीं, संस्कारों की खुशबू बह रही है। यहां सड़कों पर कदम रखते ही साफ लिखा मिलता है, गाली की एंट्री बैन...यदि कोई व्यक्ति गाली देता पकड़ा जाता है, तो उस पर 500 का जुर्माना लगाया जाता है और साथ ही एक घंटे तक गांव की सफाई करने की सजा भी दी जाती है। इसका मतलब एकदम ऑन-द-स्पॉट एक्शन होता है। चाहे आम आदमी हो या कोई प्रभावशाली रसूखदार गाली दी तो कार्रवाई होना तय है।

### गांव वाले बोले-नियम सही हम सब समर्थन में

गांव वासियों ने बताया कि इससे बहुत लाभ मिल रहा है, अगर ये सब रुक जाए तो अच्छा है। गाली गलौच से तो बहुत से झगड़े भी होते हैं, लड़ाई होती है उसको अगर रुकवा देंगे तो अपना गांव देश अच्छा बन जाएगा। हम बिलकुल इस नियम के साथ हैं, जब ये मुद्दा उठाया गया था तो हमने तभी से इसे मानने का मन बना लिया था।

### स्पेशल फोर्स भी बनाई गई

गांव के युवा अब 'गाली पकड़ो स्पेशल फोर्स' की विशेष टीम का हिस्सा बन गए हैं। यह टीम निगरानी रखती है और नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई करती है। किसी ने गलती की, तो ये टीम वैसे ही पकड़ेगी जैसे पुलिस मोस्ट वांटेड को पकड़ती है। ग्राम पंचायत और समाजसेवी अश्विन पाटिल के इस नवाचार ने गांव की सोच का असली अपग्रेशन कर दिया है। बच्चों की जुबान से गालियां गायब और उनकी जगह किताबों की खुशबू महक रही है।

### गांव की इस पहल से शहर भी शर्मिंदा

गांव वालों का कहना है कि गांव में खुला नया पुस्तकालय अब संस्कारों की ऊर्जा फैला रहा है। आज बोरसर सिर्फ गांव नहीं, सचमुच संस्कारों की प्रयोगशाला बन चुका है, जहां से उठी यह क्रांति बड़े शहरों को भी शर्मिंदा कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564